दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-27 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 03 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

होली की हार्दिक शुभकामनाएं!

खामेनेई की मौत के बाद श्रीनगर में तनाव, प्रदर्शन हिंसक होने पर पुलिस ने किया बल प्रयोग

श्रीनगर (आरएनएस)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद जम्मू-कश्मीर में तनावपूर्ण हालात बन चुके हैं। सोमवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में लोग खामेनेई की मौत के विरोध में सड़कों पर उतरे थे, लेकिन श्रीनगर में प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने हिंसक रूप से लिया। कश्मीर के सभी जिलों में एहतियात के तौर पर पाबंदियां लगाई गई हैं। भारी सुरक्षा तैनात है। इसके बावजूद सोमवार को लोग प्रदर्शन करने पहुंचे। इसी बीच, प्रदर्शन हिंसक हो गया और सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। तस्वीरों में सुरक्षाबलों की ओर से प्रदर्शनकारियों को खदेड़ते हुए और आंसू गैस के गोले छोड़ते हुए देखा गया। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी बरसाईं।

श्रीनगर में मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं और प्रदेश के सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय अगले दो दिनों तक बंद रहेंगे। प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को 3 मार्च को बंद करने का आदेश दिया है।

इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लोगों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैंने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। मैंने सभी समुदायों से शांति और संयम बनाए रखने का आह्वान किया।

मध्य पूर्व में युद्ध के बीच गृह मंत्रालय का राज्यों को अलर्ट, विरोध प्रदर्शनों पर सतर्क रहने के निर्देश

नई दिल्ली(आरएनएस)। मध्य पूर्व एशिया में जारी युद्ध जैसे हालात के मद्देनजर केंद्र सरकार ने देशभर में कानून-व्यवस्था को लेकर एहतियाती कदम उठाए हैं। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर ईरान के समर्थन या विरोध में संभावित प्रदर्शनों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम का असर देश के विभिन्न हिस्सों में देखने को मिल सकता है। ऐसे में यदि किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में ईरान के पक्ष या विपक्ष में प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं, तो स्थानीय प्रशासन को स्थिति पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पत्र में यह भी आगाह किया गया है कि कुछ असामाजिक तत्व या संगठित समूह प्रदर्शनों की आड़ में माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसी किसी भी संभावित सुनियोजित साजिश को विफल करने के लिए खुफिया तंत्र को सक्रिय रखने और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

चंद्र ग्रहण के चलते आज सुबह इतने बजे बंद हो जाएगा रामलला के मंदिर का पट

अयोध्या (आरएनएस)। साल का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण 3 मार्च को लगने जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान मंदिरों के पट बंद रखे जाते हैं। इसी नियम का पालन करते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने फैसला किया है कि चंद्र ग्रहण के दौरान मंदिर में दर्शन बंद रहेंगे। ट्रस्ट के अनुसार सुबह पूजा-अर्चना और आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। इसका उद्देश्य धार्मिक परंपरा का सम्मान करना और ग्रहण के समय पूजा और मंत्र पाठ में व्यवधान न आने देना है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस संबंध में एक पत्र जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि 3 मार्च को चंद्र ग्रहण (शुक्ल पक्ष पूर्णिमा) के कारण मंदिर में दर्शन की व्यवस्था थोड़ी अलग होगी। सुबह की मंगला आरती और श्रृंगार आरती पहले से निर्धारित समय पर होगी ताकि श्रद्धालु पूजा में हिस्सा ले सकें। इसके बाद, लगभग सुबह 9 बजे से लेकर रात 8:30 बजे तक मंदिर बंद रहेगा। इस दौरान ग्रहण और सूतक के समय को देखते हुए दर्शन बंद रहेंगे।

लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ़ एडमिनिस्ट्रेशन में 128वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल हुए स्टेट सिविल सर्विसेज़ से आए इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के अधिकारियों ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

ईरान पर टूटा एक और कहरः खामेनेई के बाद अब पत्नी मंसूरेह का भी निधन, हमले में हुई थीं बुरी तरह घायल

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका और इजरायल के ताबड़तोड़ हमलों से दहल रहे ईरान में एक बार फिर मातम पसर गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद अब उनकी पत्नी मंसूरेह खोजास्तेह बागरजादेह ने भी दम तोड़ दिया है। सोमवार को ईरानी सरकारी मीडिया ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। मंसूरेह पिछले दिनों तेहरान पर हुए भीषण अमेरिकी हमले में बुरी तरह से घायल हो गई थीं और उनका इलाज चल रहा था। मंसूरेह हमेशा सार्वजनिक जीवन और चकाचौंध से दूर रहीं। साल 1964 में खामेनेई से शादी करने वाली मंसूरेह के छह बच्चे थे, लेकिन दुनिया उनके बारे में बहुत कम जानती थी। ईरान की राजधानी तेहरान पर शनिवार तड़के हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त और विनाशकारी हमलों ने पूरे मुल्क को झकझोर कर रख दिया है।

बड़वानी जिले की 2 सिंचाई परियोजनाओं के लिए दीं 2068 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में नागलवाड़ी में मंत्रि-परिषद की पहली कृषि कैबिनेट

नागलवाड़ी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बड़वानी जिले के भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में सोमवार को हुई पहली कृषि कैबिनेट में कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी और सहकारिता से संबंधित 27 हजार 500 करोड़ रूपये की विभिन्न योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। किसान कल्याण वर्ष में आयोजित पहली कृषि कैबिनेट में किसानों और विभिन्न उत्पादक गतिविधियों में लगे लोगों के लिए 25 हजार 678 करोड़ रूपये की योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कृषि कैबिनेट में नर्मदा नियत्रंण मण्डल की बैठक में बड़वानी जिले की 2 सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के लिए 2,068 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति भी प्रदान की गई है। इन योजनाओं में स्वीकृत की गई राशि अगले 5 वर्षों में व्यय की जायेगी। जनजातीय अंचल में मंत्रि-परिषद के सभी सदस्यों ने जनजातीय परंपरागत वस्त्रों को धारण कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अभ्युदय मध्यप्रदेश में जनजातीय वर्ग के सम्मान और कल्याण का सशक्त संदेश दिया। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 को स्वीकृति दी। इसमें अगले 3 वर्षों तक रुपये 3 हजार करोड़ का निवेश एवं लगभग 20 हजार रोजगार (10 हजार प्रत्यक्ष एवं 10 हजार अप्रत्यक्ष) सृजित होंगे। इस नीति में 18 करोड़ 50 लाख रूपये के बजट प्रावधान की स्वीकृति दी गई। इसमें केज कल्चर को आधुनिक स्वरुप में बढ़ावा देते हुए लगभग एक लाख केज स्थापित किये जायेंगे। इस नीति में मछली पालन संबंधी गतिविधि के साथ ईको-टूरिज्म एवं ग्रीन एनर्जी को शामिल करते हुये बहुउद्देशीय आजीविका मॉडल के रुप में कार्य होगा।मंत्रि-परिषद ने पशु चिकित्सालय एवं अन्य भवनों के अधोसंरचनात्मक विकास के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अगले 5 वर्षों तक पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए 610 करोड़ 51 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की। यह कार्य वर्ष 2026 से 2031 तक निरंतर जारी रहेंगे।मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना को आगामी 2 वर्ष, वर्ष 2026-27 और वर्ष 2027-28 की निरंतरता के लिए 200 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। योजना में मत्स्य बीज संवर्धन, मत्स्य पालकों का प्रशिक्षण, ब्याज अनुदान एवं रोजगार के अवसर प्रदान किये जाते हैं।मंत्रि-परिषद ने राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन को आगामी 5 वर्षों तक निरंतर रखने के लिए 1150 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी। इस योजना में कृषि क्षेत्र में दक्षता की वृद्धि, विभिन्न कृषि घटकों के प्रभाव वृद्धि, दोहराव से बचाव संबंधी कार्य किये जायेंगे।मंत्रि-परिषद ने सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना को आगामी 5 वर्षों (वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2020-31 तक) की निरंतरता के लिए 1,375 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है।

बीच सड़क पर आर्मी मेजर की चप्पलों और लात-घूंसों से बेरहमी से पिटाई, वीडियो वायरल; वजह जानकर उड़ जाएंगे होश

इंदौर ,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के इंदौर से एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यहां महू-इंदौर रोड पर बीच सड़क एक महिला और गुस्साई भीड़ ने सेना के एक मेजर की चप्पलों और लात-घूंसों से जमकर पिटाई कर दी। इस हैरान कर देने वाली घटना के बाद इलाके में घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही और लोगों का भारी हुजूम जमा हो गया। सरेआम हुई इस घटना ने हर किसी को हैरत में डाल दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, महू ग्रामीण

क्षेत्र में आर्मी मेजर की कार अचानक अनियंत्रित हो गई और उसने सड़क पर चल रहे चार से पांच वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में एक मासूम बच्चे समेत तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के तुरंत बाद घायल बच्चे की मां का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उसने मेजर को सरेआम चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। वहां मौजूद भीड़ ने भी अपना आपा खो दिया और कानून को अपने हाथ में लेते हुए मेजर पर लात-घूंसे बरसाने शुरू कर दिए। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने इस पूरे हंगामे का वीडियो बना लिया जो अब इंटरनेट पर छाया हुआ है।हादसे और उसके बाद हुए बवाल के चलते सड़क पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। थाना प्रभारी राहुल शर्मा के मुताबिक, पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और आर्मी मेजर के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं, मेजर ने भी इस पूरी घटना की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी है। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर एक नई बहस छिड़ गई है। तमाम यूजर्स का कहना है कि सेना के अधिकारी की इस तरह सरेआम पिटाई सेना का अपमान है।

दिल्ली के 4 स्कूलों और एक्सिस बैंक को बम से उड़ाने की धमकी, दिल्ली पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में अलग-अलग इलाकों के 4 स्कूलों और एक बैंक को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और सभी स्थानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।

सुबह करीब 8 बजे से 9.30 बजे के बीच दिल्ली कैंट स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल, मयूर विहार का सलवान पब्लिक स्कूल, जनकपुरी का मीरा पब्लिक स्कूल, बल्लीमारान स्थित राबिया गर्ल्स स्कूल और बरामखंबा रोड स्थित स्टेट्समैन हाउस में एक्सिस बैंक को धमकी भरे संदेश मिले।

धमकी मिलने के बाद स्कूल परिसरों को एहतियातन खाली कराया गया। छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया, जबकि बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने गहन तलाशी अभियान शुरू किया। बैंक परिसर की भी बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक किसी भी स्थान से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। हालांकि, सुरक्षा के मद्देनजर सभी जगहों पर सर्च ऑपरेशन जारी है।

140 करोड़ लोग मिलकर देश से तानाशाह सरकार उखाड़ फेंकेंगे- केजरीवाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर विशाल रैली कर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोग मिलकर देश से तानाशाह सरकार उखाड़ फेंकेंगे। ये लोग सत्ता की राजनीति करें और हम जनता के लिए काम करेंगे। आज से यह बदलाव की गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते रहे कि दिल्लीवालों का 'बेटा' भ्रष्ट और है, लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार था, है और रहेगा। कांग्रेस के भ्रष्टाचार से तंग आकर लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदी जी को पूर्ण बहुमत दिया। आज देश का हर सेक्टर बर्बाद है। इस दौरान दिल्ली, पंजाब, गुजरात, गोवा समेत विभिन्न प्रांतों से आए ''आप'' नेताओं, कार्यकर्ताओं और हजारों आम लोगों ने 'पढ़ा-लिखा दमदार है, मेरा केजरीवाल कट्टर ईमानदार है' के जमकर नारे लगाए।

मोदी जी-अमित शाह षड़यंत्र रच कर दिल्लीवालों को परेशान किया- केजरीवालअरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले चार साल से पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने षड़यंत्र रच कर दिल्ली के लोगों को बहुत परेशान और दुखी किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल चोर है, भ्रष्टाचारी है, केजरीवाल ने शराब घोटाला किया है, केजरीवाल 100 करोड़ खा गया। दिन भर मीडिया में डिबेट चलता था। दिल्ली के लोगों को बहुत दुखी किया। जज साहब ने फैसला सुनाया है कि मोदी जी झूठ बोल रहे हैं, केजरीवाल कट्टर ईमानदार है। पूरा केस फर्जी है, कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि सदियों के बाद ऐसा फैसला आया है।

मोदी जी और अमित शाह ने आम आदमी पार्टी को ठिकाने लगाने के लिए पूरे केस को व्यक्तिगत मॉनिटर कर रहे थे कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह छूटना नहीं चाहिए।

सिर में गोली युवक-युवती की मौत छत पर मिले शव

ऑनर किलिंग की आशंका, आत्महत्या या हत्या की जांच कर रही पुलिस

सोहागपुर। नर्मदापुरम (आरएनएस)। सोहागपुर के भटगांव में सोमवार सुबह गोली छत पर शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी मच गई।

बताया जा रहा है कि गोली लगने से युवक.युवती की मौत हुई है। ये हत्या है आत्महत्या या आनर किलिंग का मामला है। पुलिस गुत्थी सुलझाने में लगी है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल करने के बाद दोनों शवों का पीएम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिए दिए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक तथा पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस के अनुसार अरुण और रिंकी के शव घर के छत पर बने बाथरूम में मिले हैं। या तो युवक ने युवती को मारा और फिर खुद गोली मार ली, या उनके साथ कोई घटना घटी है। यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

मंत्रालय में राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का हुआ सामूहिक गायन।

मध्य प्रदेश में मार्च की शुरुआत में ही बढ़ने लगी गर्मी, 35 डिग्री पार पहुंचा पारा, रंगपंचमी पर बारिश के संकेत

भोपाल, (ए.) । मार्च के पहले ही दिन मध्य प्रदेश में गर्मी ने तेवर दिखा दिए। निमाड़ क्षेत्र में स्थित खरगोन में तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर समेत कई शहरों में तेज धूप के कारण दिनभर गर्मी महसूस की गई। अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी हो सकती है।मौसम विभाग के अनुसार, 4 मार्च को एक नया सिस्टम सक्रिय हो रहा है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बनने वाले वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर दो दिन बाद प्रदेश में दिख सकता है। इसके चलते रंगपंचमी के आसपास या उससे पहले कई जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि इस सिस्टम के प्रभाव से दिन और रात के तापमान में

बढ़ोतरी भी दर्ज की जाएगी।रविवार को पचमढ़ी को छोड़कर प्रदेश के लगभग सभी शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। धार, गुना, ग्वालियर, खंडवा, खरगोन, श्योपुर, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, सतना और सिवनी में तापमान 33 डिग्री से ऊपर पहुंच गया। साफ मौसम और तेज धूप के कारण पारा तेजी से चढ़ा।रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। रविवार की रात जबलपुर में न्यूनतम तापमान 19.3 डिग्री और सतना में 18.2 डिग्री दर्ज किया गया। धार, नर्मदापुरम, श्योपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, नरसिंहपुर, सागर, सिवनी, टीकमगढ़, उमरिया और मलाजखंड में रात का तापमान 17 डिग्री से ऊपर रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि मार्च से मई के बीच पूरे प्रदेश में सामान्य से अधिक तापमान रहेगा। मार्च में ही गर्मी का असर बढ़ने लगेगा, जबकि अप्रैल और मई में हीट वेव का प्रभाव ज्यादा देखने को मिल सकता है।

ग्रामीण प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए दी जाएगी हर संभव मदद : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने एनआरएलएम की लखपति दीदियों, नेशनल खिलाड़ियों और उन्नत किसानों से सुने अनुभव
बड़वानी में हॉकी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए एस्ट्रो-टर्फ की उपलब्ध कराई जाएगी सुविधा

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नागलवाड़ी में आयोजित पहली कृषि कैबिनेट के अवसर पर बड़वानी जिले के प्रबुद्धजनों से भेंट की। उन्होंने एनआरएलएम की लखपति दीदियों, बड़वानी जिले के नेशनल खिलाड़ियों और उन्नत किसानों के अनुभव सुने और उन्हें शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रबुद्धजनों से भेंटकर कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं, ग्रामीणों, किसानों, खिलाड़ियों सहित समाज के सभी वर्गों की प्रगति के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से मदद उपलब्ध करा रही है। बड़वानी जिले के ग्राम भागसुर की सीमा नरगावे ड्रोन दीदी ने निमाड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने जैविक खेती और ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण लिया। अब वह अन्य महिलाओं को जैविक खेती करना सिखा रही है। ड्रोन दीदी सीमा ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़कर उसकी आय में वृद्धि तो हुई ही है, साथ ही उसे एक नई पहचान भी मिली है। सीमा ने बताया कि वह गांव में ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरक और कीटनाशक का छिड़काव करती है जिससे घंटों का काम अब मिनिटों में होने लगा है और उसे नियमित रूप से आय भी प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा करते हुए हॉकी की नेशनल खिलाड़ी सुश्री स्नेहा मोहनिया ने बताया कि उसे राष्ट्रीय स्तर पर 2 गोल्ड मेडल और 1 सिल्वर मेडल मिल चुका है। स्नेहा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बड़वानी में एस्ट्रो-टर्फ की सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने स्वीकार करते हुए यह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एयर राइफल शूटिंग की नेशनल खिलाड़ी जुलवानिया निवासी सुश्री वैष्णवी महुले से भी चर्चा की। उन्होंने सुश्री वैष्णवी को राज्य स्तर की शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण दिलाने के लिए निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जुलवानिया में शूटिंग क्लब प्रशिक्षण केंद्र संचालन कर रहे प्रशिक्षक श्री नीरज को 5 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि बालिकाओं की ट्रेनिंग के सराहनीय कार्य के लिए देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बड़वानी जिले के ग्राम घटवा निवासी उन्नत कृषक महेश पाटीदार ने अपने उत्पाद गुड़ की चाय के बारे में बताया। श्री पाटीदार ने बताया कि उन्होंने पी.एम.एफ.एम.ई. योजना में 28 लाख रुपए का ऋण लिया था। इसमें उन्हें 10 लाख रुपए का अनुदान भी मिला है। वर्तमान में श्री पाटीदार गुड़ की चाय के 500 क्विंटल के पैकेट प्रतिवर्ष बेच रहे हैं। भविष्य में एक हजार क्विंटल प्रतिवर्ष गुड़ की चाय के पैकेट बेचने का उनका लक्ष्य है। श्री पाटीदार ने बताया कि उनकी गुड़ की चाय के पैकेट विक्रय के लिए अमेजॉन एवं अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है। बड़वानी जिले के ही अमोल महाजन ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव को केला उत्पादन के अपने व्यवसाय के बारे में बताते हुए कहा कि वह पहले अमेरिका में जॉब करते थे, बाद में जॉब छोड़कर अपने देश में ही केला उत्पादन का स्टार्ट-अप शुरू किया। आज उनका केला दुबई, ईरान और इराक सहित विश्व के कई देशों में निर्यात हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री महाजन की उपलब्धि की प्रशंसा की।

टीएल बैठक में दिए निर्देश, सभी शासकीय विभाग परिजनों तक पहुंचाएं एचपीवी वैक्सीन की जानकारी

भोपाल, (ए.) । महिलाओं को गर्भाशय के निचले हिस्से के कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) से सुरक्षा के लिए लगाई जा रही एचपीवी वैक्सीन जागरूकता और जानकारी का प्रसार करने के लिए टीएल बैठक में सभी शासकीय विभागों को निर्देश दिए गए।बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत द्वारा एचपीवी वैक्सीन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि भोपाल के 18 सरकारी अस्पतालों में यह वैक्सीन निःशुल्क लगाई जा रही है। 14 से 15 साल की उम्र की बालिकाओं को यह टीका लगाया जा रहा है। इस दौरान यूविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की जानकारी भी दी गई।बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी शासकीय और निजी स्कूलों में पढ़ने वाली 14 से 15 साल की उम्र के बालिकाओं की लाइन लिस्टिंग तैयार कर इनके परिजनों को टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित करें।

स्कूलों में बैठक आयोजित कर टीके से होने वाले फायदे की जानकारी बताई जाए। महिला बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से टीकाकरण करवाने के निर्देश दिए गए। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा ट्राइबल हॉस्टल की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर और एचपीवी टीके की जानकारी देकर टीके लगवाने हेतु लिए प्रेरित करने के लिए कहा गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा ने बताया कि भोपाल में 14 से 15 साल की उम्र की लगभग 27 हजार बालिकाओं को वैक्सीन लगाई जा रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार सभी शासकीय विभाग समन्वित रूप से टीके के फायदे के बारे में जागरूक करेंगे।

तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से स्कूटी समेत उछलकर नाले में गिरा सुरक्षा गार्ड, हुई मौत

भोपाल(ए.)। शहर के कटारा हिल्स थाना इलाके में स्थित सेज कॉलेज के सामने रात के समय तेज रफ्तार बोलेरो ने स्कूटी सवार सुरक्षा गार्ड को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी, कि गार्ड उछलकर दो पहिया वाहन समेत नाले में जा गिरा। उसे घातक चोटें आई थी, नाजूक हालत में उसे इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया की एक्सीडेंट के बाद आरोपी चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। मर्ग कायम कर पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार गौरीशंकर परिसर कटारा

हिल्स में रहने वाला नितेश राजपूत पुत्र अजब सिंह (22) सेज कॉलेज में गार्ड था। शनिवार रात करीब 8 बजे वह रात की शिफ्ट में ड्यूटी करने कॉलेज जा रहा था। कॉलेज के सामने पहुंचते ही सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए नितेश के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नितेश उछलकर गाड़ी समेत नाले में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर जमा हुए लोगो ने उसे जैसै-तैसै बाहर निकाला, इस बीच आरोपी वाहन चालक मौके पर बोलेरो छोड़कर फरार हो गया। बाद में एंबुलेंस व पुलिस को सूचना दी गई बाद में नितेश को इलाज के लिये भेजा गया। इलाज के दौरान अस्पताल में नितेश की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने बोलेरो जब्त कर गाड़ी के नंबर के आधार पर फरार चालक की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है।

क्षीर धारा योजना से श्वेत क्रांति को मिलेगी रफ्तार

भोपाल(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जिले में क्षीर धारा ग्राम योजना का क्रियान्वयन तेजी से किया जा रहा है।उप संचालक डॉ.अभिजीत शुक्ला ने बताया कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए भोपाल जिले में 76 ग्रामों में बेसलाइन सर्वे शुरू हो गया है। योजना में उन्नत नस्ल, टीकाकरण, गुणवत्तापूर्ण चारा व चार विभागों के समन्वय से पशुपालकों की आय बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

भोपाल को जाम से मिलेगी मुक्ति, रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म-6 से सीधे मेट्रो, 30 मीटर लंबा अंडरग्राउंड सब-वे बनेगा

भोपाल(ए.)। राजधानी के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाद अब भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-6 को भी आधुनिक कनेक्टिविटी से लैस करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। भोपाल मेट्रो और रेलवे स्टेशन को आपस में जोड़ने के लिए एक अंडरग्राउंड सब-वे के निर्माण का प्लान फाइनल हो गया है। इस पहल से रेल यात्रियों को स्टेशन से मेट्रो तक जाने के लिए बाहर निकलकर चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वह सीधे प्लेटफार्म से मेट्रो स्टेशन बिना ट्रैफिक जाम में फंसे आसानी से पहुंच सकेंगे। ज्ञात हो कि 16.74 किलोमीटर का यह ऑरेंज लाइन रूट है। एम्स से लेकर सुभाष नगर तक मेट्रो चलने लगी है। पुल बोगदा से लेकर करोंद तक रूट के काम तेजी से चल रहे हैं। अंडरग्राउंड स्टेशन के लिए टनल बोरिंग मशीनें आ चुकी हैं।

करोंद की तरफ पिलर पर गर्डर रखने का काम शुरू हो चुका है। मेट्रो कार्पोरेशन द्वारा तैयार किए गए प्लान के अनुसार यह सब-वे जमीन से लगभग छह मीटर की गहराई पर बनाया जाएगा। इसकी कुल लंबाई 30 मीटर होगी। यह सीधा भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 से मेट्रो के अंडरग्राउंड स्टेशन को कनेक्ट करेगा।

तीन बच्चो की मॉ ने दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर की आत्महत्या

- पति द्वारा चरित्र संदेह को लेकर होते थे विवाद

- अंजान लोगो से बात करने पर पति होता था नाराज

भोपाल(ए.)। शहर के कजलीखेड़ा थाना इलाके में रहने वाली तीन बच्चो की मॉ ने डुप्लेक्स की दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह परिजनों ने उसका शव देखने के बाद पुलिस को खबर दी। शुरुआती जॉच में विवाहिता के पति ने पुलिस को बताया कि घटना से पहले रविवार देर रात उसका पत्नी से मामूली विवाद हुआ था। इसके कुछ देर बाद पत्नी ने मोबाइल चलाने के लिए मांगा। लेकिन उसने उसे मोबाइल नहीं दिया और सोने चला गया। सोमवार सुबह उसे पड़ोसियों से उसकी पत्नी का शव खून से लथ-पथ हालत में पड़े होने की सूचना मिली। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

थाना पुलिस के अनुसार ग्रीन सिटी कॉलोनी में रहने वाली 33 वर्षीय सोनम प्रजापति पति जितेंद्र प्रजापति देव घरेलू महिला थी। उसका पति कारपेंट्री का काम करता हैं। उसका परिवार मूल रूप से जबलपुर का रहने वाला है, और बीते करीब 10 साल से भोपाल में रह रहा था। दंपत्ति के 14 साल की बेटी सहित दो बेटे है। बताया जा रहा है की उसका पति उसके चरित्र को लेकर संदेह करता था। इस बात को लेकर दोनों के बीच आये दिन विवाद होते रहते थे। करीब एक महीने पहले पति ने पत्नी के मोबाइल फोन को तोड़ दिया था। वअ पत्नी के फोन पर किसी से भी बात करने पर एतराज करता था। रविवार रात को उनके बीच मोबाइल की बात को लेकर ही एक बार फिर विवाद हो गया था। झगड़े के कुछ समय बाद पत्नी ने दोबारा पति से उसका मोबाइल फोन मांगा तब पति ने अपना मोबाइल फोन देने से मना कर दिया। इसके बाद पति सोने चला गया। इस बीच उसकी पत्नि सोनम रात को किस समय घर से निकली और छत से नीचे छलांग लगा दी, इसकी जानकारी उसे नहीं है।

एम्स और पीपुल्स यूनिवर्सिटी को बम से उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप

- सायनाइड पॉइजन बम से ब्लास्ट की धमकी
- सर्चिंग में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

भोपाल(ए.)। राजधानी भोपाल में स्थित एम्स और पीपुल्स यूनिवर्सिटी को बम से उड़ाने की धमकी दिये जाने की घटना सामने आई है, इससे दोनो स्थानो पर अफरा-तफरी मच गई। पीपुल्स यूनिवर्सिटी में धमकी भरा संदेश विश्वविद्यालय के डीन को भेजा गया। ई-मेल सोमवार अलसुबह करीब 3 बजे दोनों संस्थानों को अलग-अलग भेजा गया। इसमें लिखा था- आपके कॉलेज में सायनाइड पॉइजन वाले बम रखे गए हैं, जो दोपहर 12:15 बजे ब्लास्ट करेंगे। सुबह 11 बजे तक डॉक्टरों और स्टूडेंट्स को निकाल लें। अल्लाह हू अकबर। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने तत्काल पुलिस को सूचना देते हुए एहतियातन पूरे परिसर को खाली करा लिया। क्लास रूम, ओपीडी और प्रशासनिक भवनों से छात्रों व स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्रबंधन से सूचना मिलते ही संबंधित थानों की पुलिस टीमें, बम और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची और सर्चिंग अभियान शुरू किया। एम्स में बागसेवनिया थाने के टीआई अमित सोनी और उनकी टीम ने तलाशी अभियान चलाया। वहीं,

पीपुल्स यूनिवर्सिटी में निशातपुरा टीआई मनोज पटवा सहित थाना स्टाफ ने सर्च ऑपरेशन किया। बम डिस्पोजल और डॉग स्क्वॉड भी मौके पर पहुंचे। पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने सर्चिंग के लिए यूनिवर्सिटी पहुंचकर विश्वविद्यालय परिसर के अलग-अलग हिस्सों, क्लासरूम, हॉस्टल और पार्किंग एरिया में सघन तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षा के चलते कुछ समय के लिए लोगों की आवाजाही भी सीमित कर दी गई है। लेकिन कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जॉच के बाद पुलिस ने साइबर सेल के साथ मिलकर ई-मेल आईडी और आईपी एड्रेस के आधार पर आगे की छानबीन शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है की जल्द ही धमकी देने वाले की पहचान कर ली जाएगी।

- पीपुल्स मेडिकल कॉलेज को पहले भी मिला था धमकी भरा ई-मेल

गौरतलब है की इससे पहले 19 फरवरी को भी पीपुल्स मेडिकल कॉलेज को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय भी पुलिस और बम स्क्वॉड ने जांच अभियान चलाया था। हालांकि, उस दौरान भी जांच मामले में जांच करने पर किसी तरह की विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी। लेकिन अब 10 दिन में दूसरी बार ये धमकी मिली है। इस बार भी परिसर में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

- पुलिस को शरारत की आशंका

पुलिस अधिकारियों के अनुसार ई-मेल की तकनीकी जांच जारी है। मेल किस आईडी से भेजा गया और उसका सर्वर लोकेशन क्या है, इसकी पड़ताल साइबर सेल द्वारा की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर मामला शरारत या फर्जी धमकी का प्रतीत हो रहा है।

होली पर रहेगी आकस्मिक चिकित्सा और 108 एंबुलेंस की व्यवस्था

भोपाल (ए.)। होली और रंग पंचमी के अवसर पर चिकित्सालयों में आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीएमएचओ कार्यालय भोपाल द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। होलिका दहन, जुलूस एवं चल समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए आकस्मिक चिकित्सा के साथ 108 एंबुलेंस वाहनों को भी निर्धारित पॉइंट्स पर उपलब्ध रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा ने होली के दौरान स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से बचने के लिए सलाह जारी की है। जिसमें केमिकल फ्री रंगों के उपयोग, अल्कोहल एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने, रंगों में भीगने से पहले शरीर पर तेल या मॉश्चराइजर के उपयोग, पूरी बांह के कपड़े पहनने और चिकित्सकीय आपात स्थिति में तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेने के लिए कहा गया है। डॉ. शर्मा ने बताया कि केमिकल वाले रंगों में लेड ऑक्साइड, कॉपर सल्फेट और माइका जैसे केमिकल्स का भी इस्तेमाल होता है। केमिकल वाले रंगों से त्वचा के साथ साथ आंखों को भी बहुत नुकसान हो सकता है। इन रंगों के आंखों में जाने पर जलन या आंखें लाल हो सकती हैं। अस्पतालों को आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्थाओं के निर्देश दिए गए हैं। होली खेलने के दौरान या बाद में त्वचा में जलन, आंखों में धुंधलापन या खुजली हो अथवा सांस लेने में दिक्कत होने पर डॉक्टर से सलाह ली जाए।

गुलाल उड़ाते निकली पंचकोषी परिक्रमा

– धर्म : संकीर्तन मंडलों ने किया नर्मदे हर का उद्घोष

जबलपुर, (ए.)। जबलपुर हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में माघ पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार की सुबह 5 बजे से 500 वी नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा भेड़ाघाट में विभिन्न संकीर्तन मंडलों के साथ में निकाली गई। संतो ने कहा जो भक्त पूरी परिक्रमा नहीं कर पाते वह पंचकोषी परिक्रमा करके पुण्य लाभ कमाते हैं भक्त हाथों में गुलाल फूल लेकर एक दूसरे को लगाते हुए नर्मदे हर का उद्घोष करते हुए निकले ज्ञात हो पंचकोषी परिक्रमा कई वर्षों से निकाली जा रही है। परिक्रमा का नेतृत्व संघ प्रचारक अमित दवे लोक सेवा आयोग मध्य प्रदेश के सदस्य डॉ नरेंद्र कोष्टी बड़ी खेरमाई ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल के सानिध्य में निकाली गई। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास महाराज ने बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण प्रसाद स्वरूप वितरण किया। नर्मदा पंचकोषी का पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन लम्हेटाघाट नाव पार करके शनि मंदिर डुडुवारा इमलिया न्यू भेड़ाघाट होते हुए सिद्धन माता जी के सामने से नाव पार करके हरे कृष्णा आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमाशंकर पटेल श्याम मनोहर पटेल श्रीमती मीना पटेल विनोद दिवान दुर्गा पटेल पप्पू चौबे मनोज गुलाबवानी गुड्डू नेता विनोद विश्वकर्मा शिवकुमार पटेल सेवकराम दहिया राजकुमार गुड़गांवा आदि उपस्थित थे।

डायल 112 की त्वरित कार्रवाई से बचीं तीन ज़िंदगियाँ, घायलों को समय पर मिला उपचार

रायसेन, (ए.)। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में डायल-112 जवानों की त्वरित कार्रवाई ने स्कूल बस एवं बाइक की टक्कर में घायल हुए तीन व्यक्तियों, जिनमें एक मासूम बच्ची भी शामिल थी, को समय पर उपचार दिलाकर उनकी जान बचाई। इस आपात स्थिति में डायल-112 टीम ने सजगता, तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। पुलिस मुख्यालय द्वारा रविवार को जानकारी दी गइ कि 28 फरवरी को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि स्कूल बस और मोटरसाइकिल के बीच दुर्घटना हो गई है, जिसमें बाइक सवार तीन व्यक्ति घायल हो गए हैं।

बाबा महाकाल का भस्म आरती में हुआ विशेष श्रृंगार, हजारों भक्तों ने किए दिव्य दर्शन

उज्जैन, (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर सोमवार तड़के भस्म आरती में बाबा महाकाल का राजा स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान हजारों भक्तों ने दिव्य दर्शन का लाभ उठाया।मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि फाल्गुन माह शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर सोमवार तड़के 4 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर के पट खोले गए। पण्डे-पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक और दूध, दही, घी, शकर, फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया। जटाधारी भगवान महाकाल का राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। इस श्रृंगार की विशेषता यह रही कि बाबा महाकाल का त्रिनेत्र स्वरूप में विशेष अलंकरण किया गया।इससे पहले प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश करते ही भगवान का ध्यान कर मंत्र उच्चार के साथ हरिओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक पर भांग, चंदन और त्रिपुण्ड अर्पित कर श्रृंगार किया गया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई।भस्म अर्पित करने के बाद शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्प से बनी माला अर्पित की गई। भगवान महाकाल को मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्प धारण कराए गए। इसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया।

सीईओ ने बोर्ड परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

– परीक्षाएँ निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संचालित पाई गईं

मुरैना (ए.)। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने जिले के चार परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय माध्यमिक विद्यालय सुमावली, सरस्वती शिशु मंदिर जौरा तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जौरा का अवलोकन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने परीक्षा कक्षों में पहुँचकर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा केंद्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने परीक्षा संचालन में पारदर्शिता, गोपनीयता एवं अनुशासन बनाए रखने पर विशेष बल देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर परीक्षा का संचालन स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होता पाया गया। सुरक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता संबंधी प्रबंध तथा परीक्षार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाएँ संतोषजनक रहीं। जिला प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर माध्यमिक शिक्षा मंडल के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं,

ई कॉमर्स की पकड़ से बाजारों की हालत पतली

– ऑनलाईन सस्ता खरीद रहे या महंगा, यह जानने घूम रहे लोग

जबलपुर, (ए.)। होली से एक दिन पहले संस्कारधानी के प्रमुख बाजारों में रंग, गुलाल और पिचकारियों की चमक चरम पर है। जबलपुर के फुहारा, कमानिया, सदर, अधारताल, रांझी, राइट टाउन और गोरखपुर मार्केट में शाम होते-होते इतनी भीड़ उमड़ रही है कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। लेकिन इस भीड़-भाड़ के बीच व्यापारियों का कहना है कि इस बार बाजार की असली तस्वीर थोड़ी बदली हुई है। वजह है क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की बढ़ती पकड़।

कारोबारियों के मुताबिक, गुलाल के छोटे पैकेट, पिचकारी, रंगीन गुब्बारे और मिठाई जैसी छोटी-मोटी खरीद का एक हिस्सा अब मोबाइल के जरिए घर पहुंच रहा है। ब्लिंक इट और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म सेम डे डिलीवरी और 10-20 मिनट डिलीवरी का विकल्प दे रहे हैं, जिससे कामकाजी परिवारों और युवाओं को सुविधा मिल रही है। कई ग्राहक बाजार में घूमने तो आ रहे हैं, लेकिन खरीद का बड़ा हिस्सा पहले ही ऑनलाइन कर चुके होते हैं।

सराफा और सदर में बदला खरीद पैटर्न

गुरंदी, गलगला बाजार के एक थोक व्यापारी बताते हैं कि पहले ग्राहक थोक में रंग और पिचकारी खरीदते थे, जबकि अब छोटे पैक और सीमित मात्रा की मांग बढ़ गई है। उन्होंने कहा कई लोग बताते हैं कि बाकी सामान ऑनलाइन मंगा लिया है, सिर्फ बच्चों के लिए खास पिचकारी लेने और बाजार घुमने आए हैं।

चन्द्रग्रहण के कारण 3 मार्च को पीताम्बरा सर्वसिद्धपीठ में दर्शन रहेंगे बंद

आगरमालवा(ए.) ।मध्यप्रदेश के आगरमालवा जिले के नलखेड़ा स्थित विश्वप्रसिद्ध पीताम्बरा सर्वसिद्धपीठ माँ बगलामुखी मंदिर में 3 मार्च 2026 (मंगलवार) को पड़ने वाले चन्द्रग्रहण के चलते दर्शन और धार्मिक अनुष्ठानों पर प्रतिबंध रहेगा।मंदिर प्रबंध समिति द्वारा जारी सूचना के अनुसार चन्द्रग्रहण का सुतक काल प्रातः 6:20 बजे से प्रारंभ होगा। सुतक लगते ही मंदिर में दर्शन, हवन-पूजन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान पूर्णतः बंद कर दिए जाएंगे। इस दौरान गर्भगृह में प्रवेश वर्जित रहेगा और मंदिर के कपाट बंद रखे जाएंगे।प्रबंध समिति ने बताया कि 4 मार्च को प्रातः 6:00 बजे मंगला आरती के पश्चात मंदिर के कपाट पुनः खोले जाएंगे। इसके बाद दर्शन, हवन-पूजन एवं अन्य धार्मिक गतिविधियां पूर्ववत् प्रारंभ हो जाएंगी।श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय का पालन करें और सुतक काल के दौरान मंदिर परिसर में अनावश्यक भीड़ न लगाएं।

हार्वेस्टर मशीन से घायल व्यक्ति को मिला जिला चिकित्सालय में त्वरित उपचार

राजगढ़(ए.)। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. रजनीश शर्मा द्वारा बताया गया कि जिला चिकित्सालय में रविवार शाम छह बजे के लगभग एक व्यक्ति गंभीर हालात में इलाज के लिए पहुंचा। जहां सीनियर सर्जन डॉ. राजेन्द्र कठेरिया व उनकी टीम ने बिना समय गवाए मरीज को प्राथमिक उपचार मुहैया कराया। प्राथमिक उपचार के बाद रात करीब 3 बजे भोपाल रेफर कर दिया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। यदि समय रहते मरीज को उपचार नहीं मिलता तो काई अनहोनी घटना भी घटित हो सकती थी। उन्?होंने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान सदगुरू सिंह पिता अवतारसिंह उम्र 40 वर्ष निवासी पंजाब के रूप में हुई है, वे रविवार दोपहर खिलचीपुर में हार्वेस्टर मशीन से गेहूं निकालने का कार्य कर थे, कार्य के दौरान

अचानक मशीन के नुकीले दांते उनके पेट में फंस गए। इस घटना में सदगुरू के पेट की आंते तक बाहर निकल गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। तत्काल अन्य मजदूरों ने काम रोककर घायल को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही सीनियर सर्जन डॉ. राजेन्द्र कठेरिया व उनकी टीम भी तुंरत जिला चिकित्सालय पहुंची। जहां घायल का प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। मशीन के दांते नुकेले होने के कारण सदगुरू का पूरा पेट कट गया था। जिस पर तुरंत घांव की रिपेयरिंग कर 30 टांके लगाए गए। रात करीब 3 भोपाल रेफर कर दिया गया।सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. रजनीश शर्मा ने बताया कि यदि समय रहते सीनियर सर्जन डॉ. राजेन्द्र कठेरिया व उनकी टीम द्वारा मरीज का उपचार नहीं किया जाता तो अत्यधिक खून के रिसाव से उसकी जान भी जा सकती थी। यह हादसा खेतों में भारी मशीनरी के उपयोग के दौरान बरती जानी वाली सावधानियों की अहमियत को भी दर्शाता है। फिलहाल मरीज का उपचार जारी है और चिकित्सक उसकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

व्यापार समाचार

10 से 12 रुपए तक बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम, सोना-चांदी की कीमतों में भी हो सकता हैं बढ़ा इजाफा

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका और इज़रायल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता Ali Khamenei की मौत के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और रणनीतिक तेल मार्ग Strait of Hormuz बंद होता है, तो इसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल संभव

भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85-90% आयात करता है, जिसमें बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस मार्ग पर आपूर्ति बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें मौजूदा करीब 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100-120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

ऐसी स्थिति में दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 95 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 105 रुपए तक और डीजल 88 रुपए से बढ़कर 96 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकता है। हालांकि अंतिम निर्णय कई कारकों पर निर्भर करेगा।

बता दें कि देश में पेट्रोल-डीजल के दाम सरकारी तेल विपणन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले 15 दिनों के औसत कच्चे तेल के भाव और डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति के आधार पर तय करती हैं। लेकिन उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाली अंतिम कीमत में केंद्र और राज्य सरकारों के ट्ैस का बड़ा हिस्सा शामिल होता है। इसलिए कंपनियां सैद्धांतिक रूप से कीमतें बढ़ा सकती हैं, मगर व्यावहारिक रूप से सरकार की नीति अहम होती है। युद्ध जैसे हालात में सरकार महंगाई नियंत्रित रखने के लिए टैक्स में कटौती या कंपनियों को कीमत स्थिर रखने की सलाह दे सकती है।

सोना-चांदी में रिकॉर्ड तेजी की आशंका

युद्ध और अनिश्चितता के माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्प की ओर रुख करते हैं। कमोडिटी बाजार के जानकारों का अनुमान है कि सोना 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1.90 लाख रुपये तक जा सकता है।

वहीं चांदी, जो फिलहाल लगभग 2.67 लाख रुपये प्रति किलो के आसपास है, 3.50 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

विश्लेषकों का कहना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में हालात और बिगड़ते हैं, तो शेयर बाजार में भी अस्थिरता बढ़ सकती है और निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर और तेज हो सकता है।

भारत के लिए चुनौती

ऊर्जा आयात पर निर्भरता के कारण भारत के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला रहना बेहद महत्वपूर्ण है। किसी भी तरह की रुकावट से न सिर्फ पेट्रोल-डीजल, बल्कि परिवहन, महंगाई दर, शेयर बाजार और आम उपभोक्ता की जेब पर व्यापक असर पड़ सकता है। फिलहाल सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है और वैश्विक बाजार के रुख के अनुसार आगे की रणनीति तय की जाएगी।

मिडिल ईस्ट में जंग से शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 914 अंक टूटा; निफ्टी भी 25000 से नीचे फिसला

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिका और इजरायल की तरफ से ईरान पर हुए हमले के बाद मिडिल ईस्ट में जारी टेंशन के चलते घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को खलबली मच गई। बाजार खुलने पर सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर एक समय बीएसई सेंसेक्स 914.15 अंक की जोरदार गिरावट के साथ 80,373.04 के लेवल पर फिसल गया। इसी समय, एनएसई का निफ्टी भी 246.40 अंक की तगड़ी गिरावट के साथ 24932.25 के लेवल पर कारोबार करता दिखा। आज के सत्र में निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये डूबने की आशंका है।

शेयर बाजार में आज सभी सेक्टर इंडेक्स लाल रंग में कारोबार कर रहे हैं, जिसमें रियल्टी सेक्टर 2% की गिरावट के साथ सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टूब्रो, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स और TMPV जैसे प्रमुख इंडेक्स में नुकसान दर्ज किया गया। वहीं, आज के टॉप गेनर्स में ONGC, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और हिंडाल्को शामिल हैं। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1% की गिरावट के साथ कमजोर रुख दिखा रहे हैं।

इजरायल-ईरान युद्ध :

लगातार तीसरे दिन विमान परिचालन में रुकावट के चलते एयरलाइन स्टॉक्स फिसले

नई दिल्ली (आरएनएस)। इजरायल-ईरान युद्ध के कारण लगातार तीसरे दिन खाड़ी के कई देशों का एयरस्पेस बंद होने के चलते सोमवार को एयरलाइन से जुड़े शेयरों में गिरावट देखने को मिली।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में कारोबार करने वाली ज्यादातर एयरलाइन के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के शेयर में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई है।

वहीं, सिंगापुर एयरलाइंस के शेयर में 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई। जापान की एएनए और जेएएल के शेयर 4 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया की क्वांटास का शेयर 4 प्रतिशत से अधिक फिसल गया।

दोनों देशों के बीच संघर्ष के कारण दुबई, दोहा और अबू धाबी सहित प्रमुख ट्रांजिट केंद्र करीब तीन दिनों से बंद हैं, जिसके चलते एयरलाइंस को तेल अवीव, दुबई, बेरूत, तेहरान, रियाद और अन्य क्षेत्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानें स्थगित, मार्ग परिवर्तन या रद्द करनी पड़ी हैं।

भारतीय एयरलाइंस भी प्रभावित हुई हैं और गैर-पश्चिम एशियाई एयरलाइंस में इंडिगो ने सबसे अधिक उड़ानें रद्द कीं।

रिपोर्टों के अनुसार, नई दिल्ली हवाई अड्डे पर 28 फरवरी को भारतीय एयरलाइंस की 410 उड़ानें रद्द हुईं, 1 मार्च को लगभग 350 उड़ानें रद्द हुईं और 2 मार्च को कम से कम 300 उड़ानों के प्रभावित होने की आशंका थी।नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पहले सूचित किया था कि वह एयरलाइंस और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहा है और फंसे हुए यात्रियों की सहायता के लिए एक यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया है। एयर इंडिया ने संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इजरायल और कतर से आने-जाने वाली सभी उड़ानों का निलंबन 2 मार्च को रात 11:59 बजे तक बढ़ा दिया है। ईरान और इराक के हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण, एयर इंडिया ने कहा कि वह ओमान, दक्षिणी सऊदी अरब और मिस्र के रास्ते का उपयोग कर रही है, जिससे यूरोप जाने वाली उड़ानों में लगभग 30-40 मिनट का अतिरिक्त समय लग रहा है और परिचालन लागत बढ़ रही है।

5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से पहले पाकिस्तान में 'फायरवॉल' विवाद और इंटरनेट संकट गहराया

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान की इंटरनेट समस्याएं एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले 5जी स्पेक्ट्रम ऑक्शन से पहले सरकार के तथाकथित 'फायरवॉल' सिस्टम के विरोध में अलग-अलग रिपोर्ट सामने आई हैं।

द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया खबरों में दावा किया गया था कि अधिकारियों ने अगले महीने प्रस्तावित 5जी नीलामी से पहले इस विवादास्पद फायरवॉल सिस्टम को बंद करने का निर्णय लिया है।

हालांकि, बाद में नेशनल असेंबली की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति को बताया गया कि ये रिपोर्टें गलत हैं और यह प्रणाली अभी भी लागू है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिसे आमतौर पर 'फायरवॉल' कहा जाता है, उसका आधिकारिक नाम वेब मैनेजमेंट सिस्टम (डब्ल्यूएमएस) है। उन्होंने 'फायरवॉल' को आम बोलचाल का शब्द बताया।

स्पष्टता की कमी ने देश में भ्रम और बढ़ा दिया है, जहां इंटरनेट सेवाएं पहले से ही गंभीर समस्याओं का सामना कर रही हैं।

उपयोगकर्ता और व्यवसाय धीमी गति और अचानक होने वाले आउटेज से जूझ रहे हैं, जबकि यह स्पष्ट नहीं है कि समस्या डब्ल्यूएमएस में है या मोबाइल सेवाओं के लिए उपलब्ध सीमित स्पेक्ट्रम में।

पाकिस्तान में वर्तमान में मोबाइल सेवाओं के लिए लगभग 270 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम आवंटित है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे कम में से एक है, जहां निम्न और मध्यम बैंड में औसतन 700 मेगाहर्ट्ज से अधिक स्पेक्ट्रम उपलब्ध है। प्रति दस लाख लोगों पर आवंटित स्पेक्ट्रम के मामले में भी पाकिस्तान क्षेत्रीय देशों से पीछे है।

श्रीलंका में प्रति दस लाख आबादी पर 15.2 मेगाहर्ट्ज, वियतनाम में 7.4 मेगाहर्ट्ज, भारत में 3.9 मेगाहर्ट्ज, बांग्लादेश में 3.6 मेगाहर्ट्ज, इंडोनेशिया में 2.1 मेगाहर्ट्ज, जबकि पाकिस्तान में केवल 1.1 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम उपलब्ध है।5जी स्पेक्ट्रम ऑक्शन, जो अगले महीने होने वाला है, असल में 2025 की शुरुआत में प्लान किया गया था, लेकिन प्राइसिंग मॉडल जैसे इशू की वजह से इसमें देरी हुई। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्विस क्वालिटी को बेहतर बनाने और नेक्स्ट-जेनरेशन टेक्नोलॉजी के लिए तैयार होने के लिए स्पेक्ट्रम की उपलब्धता बढ़ाना बहुत जरूरी है।

इजरायल-ईरान युद्ध की आग तेज होने से कच्चे तेल की कीमतों में 7 प्रतिशत से अधिक की उछाल

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम एशिया में युद्ध तेज होने के बाद सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 7 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह उछाल अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए सैन्य हमलों के बाद आया।

ब्रेंट क्रूड के वायदा भाव बढ़कर 82.37 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए, जो जनवरी 2025 के बाद का उच्चतम स्तर है। ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत 7.60 प्रतिशत बढ़कर 78.41 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड के वायदा भाव 7.19 प्रतिशत बढ़कर 71.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए।

रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) से होकर गुजरने वाले नौवहन को बंद कर दिया है, जिसके बाद विभिन्न देशों की सरकारें और तेल रिफाइनरियां अपने भंडार का आकलन कर रही हैं।

इसी बीच, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन ओपेक ने अगले महीने से तेल उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख सदस्य प्रतिदिन 2 लाख 6 हजार बैरल अतिरिक्त उत्पादन करेंगे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसके मुताबिक इस तकनीक की राह में नियम-कायदे जैसी रुकावटें नहीं होनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र में इसी नजरिए को जगह मिली। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है।आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर हुए पहले तीन शिखर सम्मेलनों (लंदन, सियोल और परिस) में मुख्य जोर इस तकनीक से संबंधित सुरक्षा एवं इसका विनियमन पर था। मगर नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में ये चिंताएं हाशिये पर चली गईं। उसके बजाय नई दिल्ली घोषणापत्र में मुख्य ध्यान आर्थिक विकास और समावेशन पर दिया गया है। लगभग 900 शब्दों के इस दस्तावेज के केंद्रीय बिंदु एआई के लोकतांत्रिक सम्मिलन का चार्टर, एआई संसाधनों तक पहुंच को प्रोत्साहित करने का स्वैच्छिक एवं अबाध्यकारी फ्रेमवर्क, और स्थानीय प्रासंगिकता के मुताबिक आविष्कार आदि हैं। ये बातें इतनी सामान्य किस्म की हैं कि इन पर मतभेद की गुंजाइश नहीं थी। इसलिए सम्मेलन में शामिल हुए सभी 88 देशों ने सहजता से इस पर दस्तखत कर दिए। जबकि 2025 में हुए पेरिस सम्मेलन में चूंकि एआई के विनियमन पर जोर दिया गया, तो अमेरिका ने साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसकी दलील है कि इस तकनीक की राह में नियम- कायदे जैसी रुकावटें नहीं आनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र को इसी नजरिए से तैयार किया गया। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। चीन भी एआई संप्रभुता की वकालत करता है, इसलिए ऐसे दस्तावेज पर उसे कोई आपत्ति नहीं होनी थी, जिसमें एआई विनियमन के बारे में राष्ट्रीय सरकारों के अधिकार को स्वीकार किया गया हो।चीन में एआई का उपयोग राजकीय नियोजन के तहत आम प्रशासन एवं जमीनी विकास के लिए हो रहा है। अमेरिका की तुलना में यह बिल्कुल अलग नजरिया है। चूंकि एआई के क्षेत्र में प्रमुख शक्तियां अमेरिका और चीन ही हैं, इसलिए वे अपने यहां इस तकनीक को कैसे विकसित कर रही हैं, वह इस समय वैश्विक चर्चा एवं ध्यान का प्रमुख बिंदु है। इस बीच एआई शिखर सम्मेलन उन दोनों सहित तमाम हितधारकों के बीच संवाद का मंच बने हैं। मगर वहां साझा घोषणापत्र अधिकतम सहमति पर ही आधारित हो सकते हैं। नई दिल्ली में यह सहमति बनी, क्योंकि विनियमन समर्थकों ने अपना रुख नरम क लिया और अमेरिकी मंशा के मुताबिक शब्दों के चयन पर सभी राजी हो गए।

बदलते दौर में होली: परंपरा से आधुनिकता तक का सफर

सुनील कुमार

महला हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है और उसके अगले दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को रंगों की होली खेली जाती है। किंतु इस वर्ष पूर्णिमा तिथि पर वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ने के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ज्योतिषियों के अनुसार इस वर्ष 3 मार्च 226 को वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ रहा है और यह भारत में भी दृश्यमान होगा। द्रिक पंचांग के अनुसार ग्रहण दोपहर 3 बजकर 2 मिनट से प्रारंभ होकर सायं 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। चूंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल 9 घंटे पूर्व, अर्थात सुबह 6 बजकर 2 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल में शुभ कार्य, उत्सव, पूजन, भोजन बनाना और ग्रहण करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। ऐसे में रंगों की होली खेलना अशुभ और नकारात्मक प्रभाव देने वाला माना गया है।

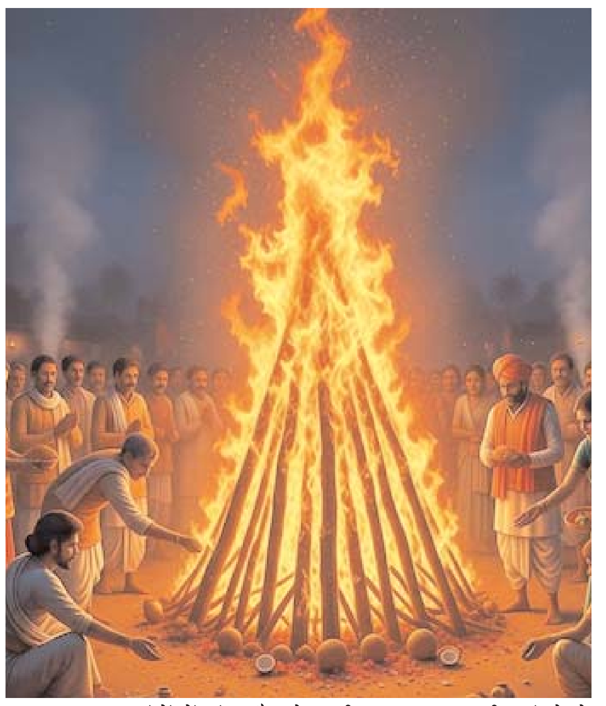

शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन ही रंगों की होली खेली जाती है, किंतु इस बार ग्रहण के कारण विशेष सावधानी अपेक्षित है। होलिका दहन 2 मार्च 2026, सोमवार की रात्रि में भद्रा के पुच्छ काल में किया जा सकता है। भद्रा का पुच्छ 2 मार्च को रात्रि 11 बजकर 53 मिनट से 3 मार्च की रात्रि 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। इसके अतिरिक्त 3 मार्च को प्रात: 5:30 बजे से 6:45 बजे के बीच भी होलिका दहन करना लाभकारी माना गया है, क्योंकि इसके बाद सूतक काल प्रारंभ हो जाएगा। चूंकि 3 मार्च को सूतक और ग्रहण का प्रभाव रहेगा, इसलिए उस दिन रंगों की होली खेलना उचित नहीं है। इस दृष्टि से 4 मार्च 2026 को रंगों की होली मनाना अधिक शुभ और लाभकारी रहेगा। ग्रहण समाप्ति के बाद स्नानादि कर शुद्ध होकर ही किसी भी प्रकार का उत्सव करना चाहिए।

होली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व:-

होली भारत का एक प्राचीन और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा उत्सव है। इसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और अगले दिन रंगोत्सव मनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल में होली केवल एक दिन का त्योहार नहीं होती थी, बल्कि पूरे फाल्गुन मास में फाग और उल्लास का वातावरण बना रहता था। गांवों में चंग और ढोल की थाप पर फाग गीत गूंजते थे, स्वांग और लोकनाट्य प्रस्तुतियां होती थीं तथा समाज के सभी वर्ग मिलकर उत्सव मनाते थे। पूर्वकाल में होली अत्यंत सामुदायिक और सौहार्दपूर्ण होती थी। लोग घर-घर जाकर फाग गाते थे। महिलाएं गाय के गोबर से उपले बनाती थीं, जिन्हें होलिका दहन की अग्नि में अर्पित किया जाता था। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और कृषि संस्कृति से जुड़ी आस्था का प्रतीक था। होलिका पूजन विधि-विधान से किया जाता था, जिसमें परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम फसल की कामना की जाती थी। अग्नि में हरे चने और गेहूं की बालियां सेंकी जाती थीं। इन भुने चनों को 'होला' कहा जाता है, जिन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता था। यह परंपरा रबी की फसल के पकने और कृषि समृद्धि से जुड़ी थी।

रंगों का आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ:-

होलिका दहन के अगले दिन प्राकृतिक रंगों, गुलाल और अबीर से होली खेली जाती थी। लोग गले मिलकर पुराने मतभेद भुला देते थे। होली का मूल संदेश है-मन के विकारों को जलाकर प्रेम, क्षमा और भाईचारे के रंग में रंग जाना। रंगों में तीन प्रमुख रंग माने गए हैं-लाल, हरा और नीला। शेष रंग इन्हीं से निर्मित होते हैं। लाल रंग उत्साह, साहस, सौभाग्य, उमंग और नवजीवन का प्रतीक है। यह मानवीय चेतना में तीव्र ऊर्जा और कंपन उत्पन्न करता है। होली का जोश और उल्लास लाल रंग में ही परिलक्षित होता है।हरा रंग विश्वास, उर्वरता, समृद्धि और प्रगति का प्रतीक है। यह विचारों की हरियाली और जीवन की खुशहाली का संदेश देता है। नीला रंग शांति, स्थिरता और व्यापकता का प्रतीक है। आकाश और समुद्र की विशालता की भांति यह समावेशी भावना का द्योतक है। वास्तु शास्त्र में इसे मानसिक शांति से जोड़ा गया है तथा योग दर्शन में इसे विशुद्ध चक्र (कंठ चक्र) के संतुलन से संबंधित माना जाता है।

साहित्य में होली:-

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने भी होली के उल्लास और प्रकृति के रंगों का सुंदर चित्रण किया है। उनकी कविता में लाल गुलाल और प्रकृति के राग-पराग का जो वर्णन मिलता है, वह होली के सांस्कृतिक सौंदर्य को सजीव कर देता है।

पारंपरिक होली बनाम आधुनिक होली:-

पूर्वकाल में होली प्राकृतिक रंगों से खेली जाती थी-हल्दी से पीला, चुकंदर से लाल, फूलों से गुलाबी और नीम की पत्तियों से हरा रंग बनाया जाता था। ये रंग त्वचा के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक होते थे। पलाश के फूलों से बना रंग विशेष लोकप्रिय था। आज रासायनिक रंगों का प्रचलन बढ़ गया है, जिनमें कई बार सल्फर और भारी धातुओं का उपयोग होता है। इनके कारण त्वचा में जलन, एलर्जी, आंखों में संक्रमण तथा पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पहले होली गीतों में अश्लीलता नहीं होती थी; फाग, ढोल-नगाड़े, चंग-डफ और बांसुरी के साथ सामूहिक उत्सव मनाया जाता था। नशे का प्रचलन सीमित था। समय के साथ डीजे संस्कृति, तेज ध्वनि और डिजिटल माध्यमों ने स्थान ले लिया है। आत्मीयता, बड़ों का आशीर्वाद लेने की परंपरा तथा सामुदायिकता में कमी देखी जा रही है।

होली का वास्तविक संदेश:-

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है।

होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है। यह पर्व नकारात्मकता, द्वेष और कटुता को त्यागकर नवजीवन का संदेश देता है। यदि हम मर्यादा, प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक मूल्यों के साथ होली मनाएं, तो यह पर्व आज भी उतनी ही आत्मीयता और उल्लास से मनाया जा सकता है,

जितना पूर्वकाल में मनाया जाता था। अंतत: होली का सार यही है- रंगों में घुली मिठास हो,हर चेहरे पर उल्लास हो, दिल से दिल की पहचान हो, और जीवन प्रेम व सद्भाव से परिपूर्ण हो। आप सभी को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

बांग्लादेश हो या श्रीलंका या नेपाल- सवाल वही

सत्येन्द्र रंजन

बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। क्या बिना ऐसी संगठित पार्टी की मौजूदगी के- जिसके पास स्पष्ट विचारधारा और सुपरिभाषित संगठन हो- कोई ऐसा परिवर्तन हो सकता है, जिससे मूलभूत ढांचा बदले और आम जन के जीवन स्तर में सुधार का मार्ग प्रशस्त हो?

बांग्लादेश में अगस्त 2024 जन व्रिदोह हुआ। अगुआई छात्रों ने की, जिनके पीछे आवाम का बहुत बड़ा हिस्सा लामबंद हुआ। उन सबकी शिकायत थी कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद तानाशाह बन गई हैं, उन्होंने लगातार तीन आम चुनाव चुरा लिए, उनके शासनकाल में सिर्फ उनसे जुड़े लोगों का भला हो रहा है, सवाल पूछने वालों को सताया जाता है, इत्यादि। इन सबसे लोगों में असंतोष भरता गया और जब उसका विस्फोट हुआ, तो शेख हसीना को देश छोड़ कर भागना पड़ा। उनकी पार्टी- अवामी लीग के जो लोग देश में रह गए, उन्हें लोगों का गुस्सा झेलना पड़ा। पांच अगस्त 2024 को शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बनी अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को प्रतिबंधित अवस्था में डाल दिया।

12 मई 2026 को हुए आम चुनाव में ये पार्टी भाग नहीं ले सकी।

उपरोक्त घटनाओं से शेख हसीना, उनके परिवार और उनकी पार्टी से नाराज लोगों को तसल्ली मिली होगी। लेकिन अब जबकि नए चुनाव के नतीजे सामने हैं, तो विवेकशील लोग यह सोचने को मजबूर होंगे कि इतनी बड़ी उथल-पुथल से आखिर हासिल क्या हुआ? दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में लौटी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) में आखिर नयापन क्या है? पार्टी की स्थापना सैन्य तख्ता पलट के जरिए सत्ता में आए जनरल जियाउल रहमान ने की थी। उनकी हत्या के बाद उनकी पत्नी बेगम खालिदा जिया ने पार्टी की कमान संभाली और दो बार प्रधानमंत्री रहीं। अब उन दोनों के बेटे तारीक रहमान उस पद पर पहुंचे हैं।

तो एक राजनीतिक परिवार को भगाने का परिणाम दूसरे राजनीतिक परिवार की सत्ता में वापसी के रूप में सामने आया है। अतीत में दोनों की पार्टियां महज उन परिवारों की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा को साधने का जरिया बनी रही हैं, जैसाकि दक्षिण एशिया के दूसरे देशों में भी होता रहा है। ये पार्टियां आर्थिक-सामाजिक निहित स्वार्थों की नुमाइंदगी करती हैं और असल में वे ही उनकी ताकत का आधार हैं। वे ताकतें अपनी राजनीतिक वफादारी वक्त के साथ बदलती रहती हैं।

शेख हसीना अगर सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया को बाधित नहीं करतीं, तो संभव है कि 2014, 2019 या 2024 के किसी आम चुनाव में सत्ता बदल के आम चलन के तहत ही बीएनपी की सरकार बन गई होती। जन विद्रोह हुआ, तो इसलिए कि शेख हसीना ने अनुचित तरीके अपना कर चुनाव के जरे सत्ता हस्तांतरण संभव नहीं होने दिया। तो क्या यह समझा जाए कि जिस जन विद्रोह में लगभग 1400 लोगों की जान गई, उसका मकसद सिर्फ बीएनपी को सत्ता में वापस लाना था? उसी बीएनपी को, जिसके पास देश को नई दिशा देने या लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने की कोई ठोस योजना नहीं रही है। असल में अपने अनुदार नजरिए और महजबी कट्टरपंथ से अपने रिश्तों के कारण अतीत में वह अवामी लीग की तुलना में कामकाजी जनता के हितों के अधिक खिलाफ नजर आई है।अब हकीकत यह है कि बांग्लादेश की सियासत कंजरवेटिव बीएनपी और धार्मिक कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के बीच बंट गई है। बहस के मुद्दे बांग्लादेश के पुराने संविधान को कायम रखने या शरिया कानून से प्रभावित अधिक इस्लामी ढंग से शासन चलाने के बीच सिमट गए हैं। क्या ऐसे ही बदलाव की आकांक्षा लिए बांग्लादेश के छात्र शेख हसीना के खिलाफ लामबंद हुए थे?ये बड़े, लेकिन बेहद आम किस्म के सवाल हैं। ये प्रश्न हर उस देश में वैसी घटना के बाद उठते हैं, जब कोई तानाशाह या आम सरकार जन-आक्रोश की भेंट चढ़ जाती है

मेष राशि: आज आपका दिन नयी उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी बात से परेशान लोग आज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन उलझन में रहेंगे।

वृष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। आज अच्छी खबर आपको मिलेगी। आज बच्चों के साथ समय बिताएंगे उनके मन की बातों को समझेंगे। काफी समय से आपके रिश्ते की बात चल रही थी वो जल्द पक्की होगी। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से प्रसन्नता होगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वाह करेंगे। इस राशि के राजनीतिज्ञों को लोगों का समर्थन मिलेगा। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आयेगी। आपके दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे। इसके साथ ही आप परिवार में सबको खुश रखने की कोशिश में लगे रहेंगे आपको अच्छा लगेगा। आज आपके अंदर त्याग और सहयोग की भावना रहेगी।

सिंह राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन में अपनापन बढ़ेगा। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। बच्चों के साथ आपसी लगाव बढ़ेगा। शिक्षकों के ट्रान्सफर की परेशानियाँ ख़त्म होंगी।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपकी वाणी में कठोरता आ सकती है दूसरों के प्रति स्नेह भाव बनाएं रखें। पेट की समस्या से परेशान लोगों को ऑयली खाने से बचना चाहिए। आज संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी। आज आपको आय के नवीन स्रोत मिलेंगे। दांपत्य जीवन के लिए थोड़ा समय निकालेंगे जिससे रिश्ते में अपनापन बढ़ेगा। आज बडों की सलाह मिलेगी साथ ही आपका अच्छा संपर्क जुड़ेगा। हर कदम पर दोस्तों का सहयोग मिलेगा।

तुला राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। आज प्रिय मित्र आपसे किसी विशेष विषय को लेकर बातचीत कर सकता है। आज कोई काम आपको सोच-विचार कर करना चाहिए। आपकी आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज आपके स्वास्थ्य में बेहतरी बनी रहेगी। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़े कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे। आज परिवार में संपत्ति संबंधित समस्या सुलझ सकता है, जिसमें आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद भी मिलेगी।

धनु राशि: आज आपका दिन सुख शांति से भरा रहेगा। पुत्र पक्ष से सहयोग मिलेगा। आपसी रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। इस राशि के लोगों का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो जायेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा। लोग आपके कार्य से खुश होंगे। आज आपको प्रमोशन से जुड़ी खबर मिल सकती है। ऑफिस में अपना रिकॉर्ड अच्छा बनाये रखें।

मकर राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज जिस भी क्षेत्र में आप मेहनत करेंगे उसमें उन्नति हासिल करेंगे। आज आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा। सफलता की नई किरण दिखाई देगी। आर्थिक क्षेत्र में विकास के योग बन रहे हैं।

कुम्भ राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके सोचे हुए कार्य एक-एक करके पूरे होते जायेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपके कारोबार में सुखद बदलाव आयेगा, आय में बढ़ोतरी होगी। इस राशि के प्रतियोगी परीक्षा के छात्रों को समझदारी से तैयारी करनी चाहिए। लवमेट की काफी समय बाद कॉल पर बात होगी।

मीन राशि:आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है। आज आप इसकी तैयारी में व्यस्त रहेंगे। कविता लिखने के शौक़ीन लोगों को आगे बढ़ने का प्लेटफार्म किसी दोस्त की मदद से मिलेगा। आज आपके वैवाहिक जीवन में ढेरों खुशियाँ आएंगी। सरकारी विभाग के कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी हो सकती है।

ट्रंप और राहुल का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण एक जैसा

बलबीर पुंज

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड़न और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है।

समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीति-जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल-पुथल भरी वैश्विक राजनीति में दो ऐसे व्यक्तित्व— अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और देश के नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी— दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा हैं। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रंप विदेशी है और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है।

एक ओर ट्रंप के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन-देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है। वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। ट्रंप द्वारा भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहना कोई साधारण कूटनीतिक चूक नहीं थी। दरअसल, यह उस मानसिकता की झलक थी, जिसमें किसी राष्ट्र की ताकत को उसकी स्वतंत्र नीतियों से नहीं, बल्कि वह कितना 'हां में हां मिलाता है'— उस पैमाने पर आंका जाता है। ट्रंप के सहयोगियों द्वारा भारत को रूस का लॉन्ड्रोमैट बताना और रूसी तेल खरीद के मुद्दे पर ब्राह्मण समाज को निशाना बनाना— महज आर्थिक टिप्पणियां नहीं थीं, बल्कि कुटिल औपनिवेशिक चिंतन की परछाई थी।

लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था कथन का समर्थन— मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिकी मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर नरेंद्र-सरेंडर जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इनकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है।

निसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वे संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके है।

हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देने— जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत— से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने के बजाय इसे संसदीय कार्यवाही में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया। बार-बार के स्थगन, लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और योजनाबद्ध टकराव को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का नाम दिया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह भी खुलासा किया कि संसद में चर्चा के समय प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई अप्रिय हरकत करने की कोशिश की जा रही थी।

राहुल की यह 'अराजक' शैली नई नहीं है। 2018 में लोकसभा में प्रधानमंत्री को जबरन गले लगाने के बाद अपने सहयोगियों को आंख मारने की घटना आज भी जेहन में ताजा है। नाटकीयता गंभीर राजनीति का पर्याय नहीं हो सकती, वह संस्थागत गरिमा को आहत करती है। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री का जबरन हाथ पकड़कर संयुक्त प्रेस वार्ता का प्रयास भी इसी मानसिकता का विस्तार था। जाने-अनजाने में राहुल देशविरोधियों के हाथों में भी खेलने लगते है। सितंबर 2024 की अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत में सिख समुदाय की पहचान खतरे में है।

इस बयान को खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नून ने अपने एजेंडे के समर्थन में तुरंत लपक लिया। इससे पहले वर्ष 2023 में राहुल द्वारा ब्रिटेन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों का आशय था कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है और उसे बचाने के लिए 'पश्चिमी हस्तक्षेप' अपेक्षित है। अक्सर, विदेशों में दिए गए ऐसे वक्तव्य घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते और वे भविष्य में देश के शत्रुओं के प्रचार-तंत्र का हथियार बन जाते है।

राहुल इस तरह का व्यवहार क्यों करते है? क्या इसलिए कि वे 'विशेषाधिकार की भावना' से ग्रस्त है? क्या वे मानते है कि केवल उन्हें ही अपने मुताबिक 'लोक' (जनमानस) और 'तंत्र' (मीडिया-न्यायालय सहित) चलाने का 'दैवीय अधिकार' है? असल में उनका यह चिंतन न तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद पनपा है और न ही यह भाजपा-आरएसएस तक सीमित है।

पीएम मोदी ने हैदराबाद हाउस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से की मुलाकात

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने कनाडाई समकक्ष पीएम मार्क कार्नी से नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मुलाकात की, जिसमें द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने पर मुख्य फोकस है। बता दें, हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी और कार्नी की मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच एमओयू एक्सचेंज होगा और फिर प्रेस स्टेटमेंट जारी किए जाएंगे। इसके बाद एक बजकर 50 मिनट पर भारत मंडपम में भारत-कनाडा सीईओ फोरम की शुरुआत होगी, जिसमें दोनों देशों के प्रधानमंत्री शामिल होंगे। शाम छह बजे पीएम कार्नी अपने देश के लिए रवाना होंगे। कार्नी व्यापार और निवेश, ऊर्जा, जरूरी मिनरल्स, कृषि, शिक्षा, शोध और नवाचार, और लोगों के बीच संबंधों जैसे खास स्तंभों में चल रहे सहयोग की भी समीक्षा करेंगे। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी अपने विचार साझा करेंगे।

इससे पहले कनाडाई पीएम ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा के बीच साझेदारी को लेकर बातचीत की। मुलाकात के बाद डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज सुबह नई दिल्ली में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मिलकर बहुत खुशी हुई। आगे की साझेदारी बनाने के उनके प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम कार्नी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब भारत-कनाडा के आपसी संबंध सामान्य होने के एक अहम मोड़ पर हैं। दोनों प्रधानमंत्री पहले एक-दूसरे की चिंताओं के लिए आपसी सम्मान, लोगों के बीच मजबूत संबंध और बढ़ती आर्थिक एक-दूसरे को पूरा करने वाली चीजों पर आधारित एक रचनात्मक और संतुलित साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

दोनों नेताओं के बीच होने वाली आने वाली मीटिंग, आगे की सोच वाली साझेदारी बनाने में भारत और कनाडा के सकारात्मक मोमेंटम और साझा दृष्टिकोण को फिर से पक्का करने का मौका देगी।

पीएम कार्नी ने राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने के बाद एक्स पर किया, प्रधानमंत्री मोदी से मिलने नई दिल्ली पहुंचा। कनाडा और भारत दो आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी देश हैं जो एक साथ हिम्मत से आगे बढ़ना चाहते हैं। हम एनर्जी, टैलेंट और इनोवेशन और एआई में नई साझेदारी बना रहे हैं, ताकि हमारे लोगों के लिए ज्यादा सुरक्षा और खुशहाली आए।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में खामेनेई की मौत पर प्रदर्शन, छात्रों ने जताया विरोध

अलीगढ़(आरएनएस)। इजरायल-अमेरिका के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर भारत में विरोध लगातार बढ़ रहा है। इसी कड़ी में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए छात्रों ने अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। विश्वविद्यालय परिसर के अंदर स्थानीय लोग भी छात्रों के विरोध में शामिल हुए। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत के बाद हमने दोपहर में और फिर रात में प्रदर्शन किया। हम आगे भी विरोध करते रहेंगे और अपनी आवाज उठाएंगे। प्रदर्शनकारी ने कहा, मैं इजरायल और अमेरिका को बताना चाहता हूं कि ईरान पर उनके हमले का मतलब यह नहीं है कि देश खत्म हो जाएगा। ईरान मजबूती से खड़ा रहेगा और मजबूती से जवाब देगा। खामेनेई ने दिखा दिया है कि वह कभी नहीं झुकेंगे।

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम यहां खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। वे इंसानियत के नेता थे।

इससे पहले, राजधानी लखनऊ में भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर आए और खामेनेई की मौत पर दुख व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने पुराना लखनऊ के बाजार तीन दिनों तक बंद रखने का भी फैसला लिया। ऐतिहासिक बड़ा इमामबाड़ा को भी इस अवधि के दौरान बंद रखने का निर्णय लिया गया।

शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने कहा कि हम सभी इंसानियत पसंद लोगों से अपील करते हैं कि वे इस गम के मौके पर अपनी दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करें।

शिया समुदाय के सदस्यों ने बड़ा इमामबाड़ा और छोटा इमामबाड़ा पर खामेनेई के पोस्टर लगाए। शोक के प्रतीक के रूप में काले झंडे फहराए गए और कई व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। विरोध के प्रतीक के तौर पर छोटा इमामबाड़ा के मुख्य द्वार पर इजरायल और अमेरिकी झंडे जमीन पर रखे गए।

प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल के पीएम नेतन्याहू से हुई बात, ईरान से चल रहे युद्ध को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोन पर बात हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर पीएम मोदी ने इसकी जानकारी दी है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा करने के लिए टेलीफोन पर बात हुई। हाल के घटनाक्रमों पर भारत की चिंताओं से अवगत कराया और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। भारत ने संघर्ष को जल्द समाप्त करने की आवश्यकता को दोहराया।

इससे पहले एक मार्च, रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बातचीत की और खाड़ी देश पर हुए हालिया हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने इस कठिन समय में यूएई के साथ भारत की एकजुटता भी व्यक्त की थी।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा था कि मैंने यूएई के राष्ट्रपति और मेरे भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की। मैंने यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की और इन हमलों में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया। इन कठिन समय में भारत यूएई के साथ एकजुटता से खड़ा है।

पीएम मोदी ने यूएई में रह रहे बड़े भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए वहां के नेतृत्व का आभार भी जताया था। पीएम मोदी ने कहा कि

यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय का ख्याल रखने के लिए उनका धन्यवाद किया। हम तनाव कम करने, क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करते हैं।

बता दें कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। उनकी मौत के बाद ईरान में 40 दिनों के शोक का ऐलान किया गया है। इसके साथ ही ईरान ने पवित्र स्थल इमाम रजा दरगाह पर काला झंडा फहराया गया। वहीं, भारत में ईरानी दूतावास में ईरान के झंडे को आधा झुका दिया गया है। साथ ही दुनिया के तमाम देशों से अमेरिका और इजरायल के इस हमले की कड़ी आलोचना करने के लिए कहा।

श्री गुरु तेग बहादुर जी पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की सुनील जाखड़ ने की प्रशंसा

चंडीगढ़ ,(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने नौवें गुरु श्री तेगबहादुर जी के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री शाह की ओर से कहे गए शब्द न सिर्फ संपूर्ण हिंदू समाज और भाजपा सरकार की सोच का प्रतीक हैं। पंजाब भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महाराष्ट्र में श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक समारोह के दौरान गृह मंत्री अमित शाह की ओर से कहे गए ये शब्द न सिर्फ संपूर्ण हिंदू समाज, भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की सोच का प्रतीक हैं, बल्कि ये शब्द श्री गुरु तेग बहादुर जी की महान शहादत के प्रति एक कृतज्ञ राष्ट्र के सच्ची भावना को भी दर्शाते हैं। इससे पहले, केंद्रीय गृह अमित शाह ने नवी मुंबई में गुरु श्री तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस समागम समारोह में गुरु साहिब की स्मृति को नमन कर उपस्थित संगत से संवाद किया।

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय स्तर पर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को मनाने का निर्णय लिया, जो पूरे भारत के लिए सौभाग्य का विषय है। अगर नौवें गुरु तेगबहादुर जी हिंदू धर्म और हिंदुओं को बचाने के लिए शहादत न देते तो पूरे विश्व में एक भी हिंदू नहीं बचता।

होली पर बदला नमो भारत और मेरठ मेट्रो का संचालन समय, शाम 5 बजे से शुरू होंगी सेवाएं

मेरठ (आरएनएस)। होली के पावन पर्व पर बुधवार को नमो भारत और मेरठ मेट्रो की सेवाओं के संचालन समय में अस्थायी बदलाव किया गया है। प्रबंधन की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, होली के दिन सुबह निर्धारित समय पर ट्रेन सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। दोनों सेवाएं शाम 5:00 बजे से संचालित की जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि 4 मार्च को नमो भारत और मेरठ मेट्रो की ट्रेनें शाम 5:00 बजे से रात 10:00 बजे तक यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेंगी। त्योहार को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है ताकि कर्मचारी और यात्री अपने परिवार के साथ होली का त्योहार सुगमता से मना सकें। शाम 5 बजे के बाद ट्रेनों का संचालन नियमित अंतराल पर किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक प्रतीक्षा न करनी पड़े। मेट्रो प्रबंधन ने यात्रियों से अपील की है कि वे संशोधित समय के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। अनावश्यक असुविधा से बचने के लिए यात्रियों को स्टेशन पहुंचने से पहले संचालन समय की जानकारी अवश्य सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। त्योहार के मद्देनजर स्टेशन परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी और साफ-सफाई के विशेष इंतजाम भी किए जाएंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. नई दिल्ली में सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली कार्यक्रम में दिल्ली लखपति बिटिया योजना के शुभारंभ के दौरान सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा।

एनसीआर में एक्यूआई में गिरावट, अधिकांश इलाके येलो जोन में; होली पर 34 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

नोएडा (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इन दिनों चल रही तेज सतही हवाओं का असर अब वायु गुणवत्ता पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों की तुलना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है और दिल्ली, नोएडा व गाजियाबाद के करीब 90 प्रतिशत इलाके 'येलो जोन' यानी मध्यम श्रेणी में पहुंच गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी) और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मॉनिटरिंग स्टेशनों से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों का हाल बताए तो अलीपुर 166, आनंद विहार 258 (सबसे अधिक), अशोक विहार 181, आया नगर 147, बवाना 207, बुराड़ी क्रॉसिंग 161, चांदनी चौक 194, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स 154, सीआरआरआई मथुरा रोड 147 और डीटीयू 150 एक्यूआई दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि दिल्ली के अधिकांश स्टेशन 150 से 200 के बीच दर्ज किए गए,

जबकि आनंद विहार 258 के साथ अपेक्षाकृत खराब श्रेणी में रहा। नोएडा में स्थिति की बात करे तो सेक्टर-62 150, सेक्टर-1 163, सेक्टर-116 160, दर्ज किया गया। गाजियाबाद का हाल बताए तो इंदिरापुरम 163, लोनी 219, संजय नगर 153 और वसुंधरा 178 में एक्यूआई दर्ज किया गया है।

गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में एक्यूआई 219 दर्ज किया गया, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक रहा, जबकि बाकी इलाके येलो जोन में बने रहे। मौसम विभाग के स्थानीय पूर्वानुमान के अनुसार 2 मार्च को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री, 3 मार्च को 33 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री तथा होली 4 मार्च को अधिकतम 34 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री रहने का अनुमान है। तीनों दिन दिन के समय तेज सतही हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि तेज हवाओं के कारण प्रदूषक तत्वों का फैलाव हुआ है, जिससे एक्यूआई में सुधार देखने को मिला है। हालांकि दोपहर में कड़ी धूप और शुष्क हवाओं के कारण लोगों को गर्मी का एहसास होगा। ऐसे में इस बार होली का त्योहार तेज धूप और हवाओं के बीच मनाया जाएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बुजुर्गों, बच्चों और सांस के मरीजों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। तेज हवाओं ने फिलहाल प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित किया है, जिससे एनसीआर वासियों को कुछ राहत मिली है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में एक मीटिंग के दौरान एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के प्रेसिडेंट जू जियाई से बातचीत की।

केजरीवाल सिर्फ सुर्खियों के लिए दे रहे बयान, न्यायिक आदेशों में सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है : किरेन रिजिजू

कांगड़ा (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के कथित शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को ट्रायल कोर्ट से मिली राहत पर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। कांगड़ा प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए रिजिजू ने न्यायिक प्रक्रिया और आम आदमी पार्टी (AAP) की बयानबाजी पर तीखा हमला बोला। निचली अदालत के फैसले अंतिम नहीं ट्रायल कोर्ट द्वारा AAP नेताओं को

बरी किए जाने के सवाल पर रिजिजू ने इसे न्यायपालिका की एक सामान्य प्रक्रिया करार दिया। उन्होंने कहा यह केवल एक प्रक्रिया है। जब किसी एक कोर्ट द्वारा आदेश दिया जाता है और यदि वह गलत आदेश होता है, तो उसे बड़ी बेंच या ऊपरी अदालत द्वारा सही किया जाता है। कानून में अपील का प्रावधान इसीलिए है ताकि सही निर्णय तक पहुँचा जा सके। उनके इस बयान से स्पष्ट है कि सरकार और जांच एजेंसियां निचली अदालत के इस फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने के विकल्प पर पूरी तरह टिकी हुई हैं। केजरीवाल की बयानबाजी पर तंज अरविंद केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए हालिया बयानों पर केंद्रीय मंत्री ने पलटवार किया। रिजिजू ने कहा कि केजरीवाल सुर्खियों में बने रहने के लिए प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हम उन्हें रोक नहीं सकते।

उन्हें बोलने की आजादी है और लोकतंत्र में हम उनकी यह आजादी नहीं छीन सकते। वे केवल चर्चा में रहने के लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। राजनीतिक सरगर्मी तेजरिजिजू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब शराब नीति मामले को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच जुबानी जंग चरम पर है।

भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति पर सवाल , किसकी मेहरबानी से घूसखोर बेनीवाल मलाईदार फील्ड पोस्टिंग पर जमे रहे, अब किया एपीओ, जोधपुर के इंजीनियरों को जयपुर का जिम्मा

जयपुर ,(आरएनएस)। जलदाय विभाग में हालही जारी इंजीनियरों की पोस्टिंग पर न केवल भ्रष्टाचार की जड़ों को उजागर किया है, बल्कि सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए चीफ इंजीनियर (शहरी) मनीष बेनीवाल किसकी मेहरबानी से फील्ड पोस्टिंग में जमे रहे। विभाग में नियुक्तियों का जो नया खेल शुरू हुआ है, उसने अधिकारियों के बीच असंतोष और जनता के बीच संशय पैदा कर दिया है। बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जेजेएम (JJM) घोटाले जैसे गंभीर आरोपों के बावजूद मनीष बेनीवाल पिछले तीन साल से मलाईदार फील्ड पोस्टिंग पर कैसे जमे रहे? उन्हें एपीओ (पदस्थापन आदेश की प्रतीक्षा) करने में विभाग ने तब तक इंतजार किया जब तक कि एसीबी ने उन्हें जेल नहीं भेज दिया। विभाग के गलियारों में अब यह चर्चा आम है कि आखिर वे कौन से आका थे जिनकी मेहरबानी बेनीवाल पर बनी हुई थी। विभागीय आदेशों में सीनियारिटी और लॉजिस्टिक्स की धज्जियां उड़ती नजर आ रही हैं। जयपुर स्थित जल भवन (मुख्यालय) में नीरज माथुर, संदीप शर्मा और आरके मीणा जैसे अनुभवी और वरिष्ठ चीफ इंजीनियर मौजूद हैं, लेकिन उन्हें दरकिनार कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि जयपुर शहर जैसे संवेदनशील पद की जिम्मेदारी जोधपुर प्रोजेक्ट के चीफ इंजीनियर

देवराज सोलंकी को सौंपी गई है। जयपुर से जोधपुर की दूरी 334 किलोमीटर है। भीषण गर्मी की दहलीज पर खड़े राजस्थान में एक ही अधिकारी का इतनी दूर से दो बड़े पदों को संभालना नामुमकिन सा लगता है, जिससे राजधानी की पेयजल व्यवस्था चरमराने का खतरा पैदा हो गया है।

पदोन्नति की कतार में खड़े इंजीनियरों को झटका

पक्षीपात का आलम यह है कि एडिशनल चीफ इंजीनियर (ACE) स्तर पर भी वरिष्ठता को ताक पर रख दिया गया है। भरतपुर प्रोजेक्ट के एसीई सुरेंद्र शर्मा को जयपुर में चीफ इंजीनियर (ग्रामीण) का प्रभार दिया गया है।

जबकि जयपुर में ही तैनात वरिष्ठ एसीई अमिताभ शर्मा, विपिन गुप्ता, अजय सिंह राठौड़ और राज सिंह चौधरी जो पदोन्नति के पात्र हैं, उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया।

दूसरी ओर, नितिन जैन और आदित्य शर्मा जैसे अधिकारी एपीओ होने के बावजूद खाली बैठे हैं, उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई।

एसीबी का भूरत्नम कनेक्शन पर शिकंजा

रिश्वतकांड की जांच अब और गहरी होती जा रही है। एसीबी ने मैसर्स भूरत्नम कंस्ट्रक्शन कंपनी के टेंडरों से जुड़ी तमाम फाइलें तलब की हैं। सूत्रों के अनुसार, इस कंपनी को अयोग्य होने के बावजूद टेंडर प्रक्रिया में क्वालीफाई कराने के लिए विभाग के बड़े अधिकारियों पर राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव था। मनीष बेनीवाल और उनके दलाल कजोड़मल तिवाड़ी की गिरफ्तारी के बाद अब कई अन्य बड़े चेहरों पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

अन्य प्रभारों का वितरण : विभाग ने कुछ अन्य बदलाव भी किए हैं जिनमें उदयपुर रीजन के एसीई शैतान सिंह को वहां का चीफ इंजीनियर (प्रोजेक्ट) और मुकेश बंसल को चीफ इंजीनियर (प्रशासन) बनाया गया है।

मनीष मल्होत्रा का बोले चूड़ियां से प्रेरित नया आउटफिट, न्यासा देवगन को बनाया अपनी मॉडल

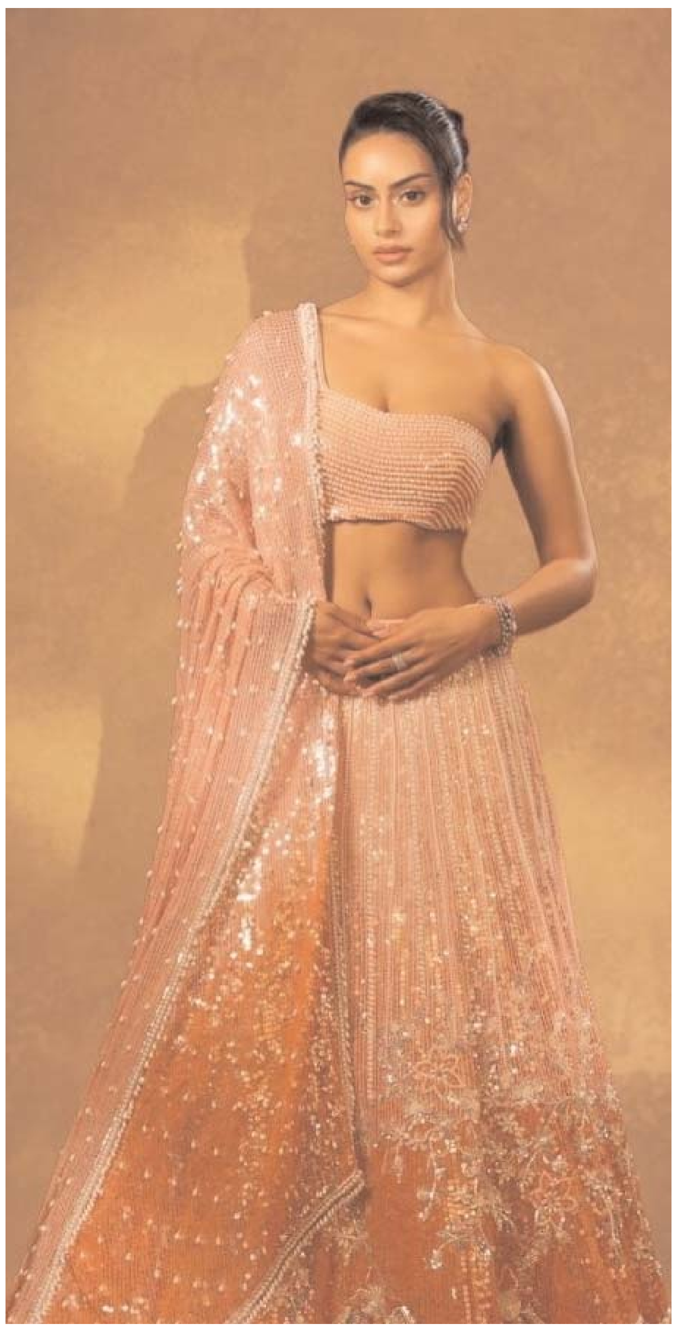

मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अपनी बेहतरीन कारीगरी और टाइमलेस डिजाइन को लेकर जाने जाते हैं। उनके बनाए कपड़े काफी समय तक लोगों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। हाल ही में मनीष ने एक नया आउटफिट तैयार किया है। मनीष का कहना है कि यह आउटफिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के मशहूर गाने बोले चूड़ियां में करीना की ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस आज भी पॉपुलर है। मनीष ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के तौर पर अजय देवगन और काजोल की लाडली न्यासा देवगन को रखा। उन्होंने यह ड्रेस न्यासा पर ट्राई की, जिसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की।

मनीष ने लिखा, साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम का गाना बोले चूड़ियां भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा शुरू करने वाला माना जाता है। इस गाने में पूरा परिवार सज-धजकर डांस करता है। करण जौहर की इस फिल्म में करीना के कपड़े 25 साल बाद भी पॉप कल्चर का हिस्सा हैं और लोग उन्हें याद करते हैं।मनीष ने आगे बताया कि कई सालों से उनके यहां बोले चूड़ियां से प्रेरित आउटफिट बनते रहे हैं। इन ड्रेस को मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के ग्राहकों ने पहना है। अब 2025-26 के नए वर्जन में न्यासा देवगन इस लुक में बेहद आकर्षक दिख रही हैं।मनीष ने करियर को लेकर बताया, मैंने साल 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों में कई नए स्टाइल शुरू किए, जो बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बन गए। अलग-अलग पीढ़ियों में इन डिजाइनों के नए रूप देखने को मिले हैं। इसी वजह से ये कॉस्ट्यूम हमेशा यादगार और टाइमलेस बने रहते हैं।

बता दें कि साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना का स्टाइलिश और ग्लैमरस किरदार काफी आइकॉनिक था, जो आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। उनके किरदार के डांस, डायलॉग, बोल्ड और फैशन-फॉरवर्ड आउटफिट्स से आज की जेनजी भी रिलेट करती हैं।

द केरला स्टोरी 2 ने छुड़ाए छक्के, बॉर्डर 2- ओ रोमियो को पछाड़ा, ऐसा रहा बाकी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर हाल

फिल्म ओ रोमियो से लेकर द केरला स्टोरी 2 तक, थिएटर में कई फिल्में लगी हैं. द केरला स्टोरी 2 हाल ही में रिलीज हुई. शनिवार को आइए जानते हैं किस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया और कौनसी फिल्म पिछड़ गई.

सैकनिल्क के मुताबिक, द केरला स्टोरी ने पहले दिन 75 लाख का कलेक्शन किया. वहीं शनिवार को फिल्म के कलेक्शन में तगड़ी ग्रोथ दिखी. फिल्म ने दूसरे दिन 4.65 करोड़ की कमाई की. फिल्म का टोटल कलेक्शन 5.40 करोड़ हो गया है. फिल्म में उल्का गुप्ता, अदिती भाटिया और ऐश्वर्या ओझा जैसी एक्ट्रेसेस हैं. ये फिल्म काफी विवादों में भी घिरी रही हैं.शाहिद कपूर की ओ रोमियो को भी ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म ने 16वें दिन 1.3 करोड़ का बिजनेस किया. फिल्म ने घरेलू बॉक्स पर 64 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. वहीं दुनियाभर में 99.55 करोड़ कमा लिए हैं. इस फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं.वहीं फिल्म बॉर्डर 2 की बात करें तो फिल्म ने 37वें दिन 25 लाख की कमाई की. फिल्म का अभी तक का टोटल कलेक्शन 327.35 करोड़ हो गया है. फिल्म ने दुनियाभर में 447.5 करोड़ कमा लिए है. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे स्टार्स हैं. फिल्म को अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है.रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ने 30वें दिन 30 लाख रुपये की कमाई की. फिल्म का टोटल कलेक्शन 49.1 करोड़ का कलेक्श किया है. वहीं दुनियाभर में कमाई की बात करें तो फिल्म ने 72.94 करोड़ कमाए.

सुबेदार से गाना बालम सूबेदार रिलीज, हरियाणवी ट्यून पर दिखा अनिल कपूर का रौबदार स्वैग

फिल्म सूबेदार का नया ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो 'बालम सूबेदार' आज रिलीज हो गया है. इस गाने में अनिल कपूर सूबेदार अर्जुन मौर्य और खुशबू सुंदर सुधा के किरदार में नजर आ रही हैं. आइकॉनिक ट्रैक के इस नए अंदाज को सुनकर आप इसे लंबे समय तक गुनगुनाते रहेंगे. रीइमेजिन किया गया यह गाना सूबेदार अर्जुन मौर्य और उनकी पत्नी सुधा के रिश्ते की एक खास झलक पेश करता है. यह वीडियो दिखाता है कि कैसे सुधा को अपने सूबेदार पर गर्व है और कैसे उनका प्यार अर्जुन को वर्दी के बाहर भी मजबूती देता है.

यह गाना अर्जुन और सुधा के रिश्ते को केंद्र में लाता है और फिल्म की दुनिया में गर्मजोशी और खास आकर्षण जोड़ता है. सुधा को अपने सूबेदार पर गर्व और दोनों की सहज केमिस्ट्री अर्जुन मौर्य के किरदार को भावनात्मक गहराई देती है. एक ऐसा शख्स जो वर्दी में सम्मान पाता है और घर पर सच्चा प्यार. विजुअल्स इस कहानी को और भी प्रभावशाली बनाते हैं, जहां नॉस्टेल्जिया और भावुक पलों का खूबसूरत मेल दिखाई देता है.

'बलम सूबेदार' को रुत्विक तलाशिलकर ने कंपोज किया है. इस रीक्रिएटेड वर्जन को जीडी कौर ने अपनी आवाज दी है. यह गाना मूल रूप से राज मावर द्वारा रियल म्यूजिक प्रोडक्शन के लिए तैयार किया गया था. इसके नए बोल यंगवीर ने लिखे हैं

'धुरंधर 2' का ट्रेलर 5 मार्च को होगा रिलीज? 19 मार्च को 'टॉक्सिक' से होगी मेगा बॉक्स ऑफिस टक्कर

बॉलीवुड में इस समय दो बड़ी फिल्मों को लेकर जबरदस्त चर्चा है। एक तरफ रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2' है, तो दूसरी ओर साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक'। दोनों ही फिल्में 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही हैं, जिससे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी टक्कर तय मानी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'धुरंधर 2' का ट्रेलर 5 मार्च को रिलीज किया जा सकता है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता चरम पर है और ट्रेलर रिलीज डेट को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हैं।

इस सीक्वल में रणवीर सिंह एक बार फिर हमजा के किरदार में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि इस बार कहानी हमजा के अतीत की परतें खोलेगी कि कैसे वह एक जासूस बना और किन हालातों ने उसकी जिंदगी की दिशा बदल दी। इस पार्ट में अक्षय खन्ना का किरदार नजर नहीं आएगा, जिससे कहानी की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

उधर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसे दर्शकों से दमदार प्रतिक्रिया मिल रही है। भव्य सेट, एक्शन और बड़े पैमाने पर बनाई गई इस फिल्म को लेकर भी जबरदस्त बज बना हुआ है। चूंकि दोनों फिल्में एक ही दिन रिलीज हो रही हैं, ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कमाई को लेकर मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि ओपनिंग वीकेंड पर स्क्रीन काउंट और एडवांस बुकिंग का बड़ा असर देखने को मिल सकता है। 'धुरंधर' का पहला भाग दर्शकों के बीच आज भी लोकप्रिय है। फिल्म के गाने और डायलॉग सोशल मीडिया पर लगातार ट्रेंड करते रहते हैं। हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे के दौरान साझा किए गए एक वीडियो में भी फिल्म के गाने की झलक देखने को मिली थी, जिससे इसकी चर्चा और बढ़ गई।इसके अलावा जब 'धुरंधर' को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया, तो यह प्लेटफॉर्म पर ट्रेंडिंग लिस्ट में शामिल रही। डिजिटल सफलता के बाद अब इसके सीक्वल से भी बड़ी उम्मीदें लगाई जा रही हैं।19 मार्च को दर्शकों के पास दो बड़े विकल्प होंगे, एक तरफ जासूसी थ्रिलर का रोमांच, तो दूसरी ओर बड़े पैमाने की एक्शन एंटरटेनर। अब देखना दिलचस्प होगा कि दर्शक किस फिल्म को ज्यादा पसंद करते हैं और बॉक्स ऑफिस पर किसकी कमाई का ग्राफ ऊंचा जाता है।

फिलहाल सभी की निगाहें 5 मार्च पर टिकी हैं। क्या सच में 'धुरंधर 2' का ट्रेलर उसी दिन रिलीज होगा? आधिकारिक ऐलान का इंतजार जारी है।

मम्मी-पापा की 40वीं सालगिरह पर टूर गाइड बनीं श्रिया पिलगांवकर, वियतनाम में मनाया जश्न

मशहूर अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर हाल ही में अपने माता-पिता के साथ वियतनाम की सैर करके वापस लौटी हैं। उन्होंने बताया कि पेरेंट्स के साथ किसी ट्रिप पर जाना फिल्म बनाने से कम नहीं है। पिलगांवकर ने इंस्टाग्राम पर कुछ झलकियां शेयर कीं, जिसमें वे अपने माता-पिता के साथ खूब मजे करती नजर आ रही हैं। श्रेया ने लिखा, जब मम्मी-पिता ही बच्चों जैसे बन जाएं, तब परिवार के साथ छुट्टियां किसी फिल्म से कम नहीं लगतीं। थोड़ी भागदौड़ और हलचल तो होती है, लेकिन यही पल सबसे प्यारी यादें बन जाते हैं। माता-पिता को घुमाने ले जाना बहुत खास एहसास देता है। श्रिया ने आगे बताया, परिवार के साथ छुट्टियां प्लान करना आसान नहीं होता, इसलिए मौका मिले तो हम उसे कभी हल्के में नहीं लेते। हाल ही में मम्मी-पापा की शादी की 40वीं सालगिरह थी तो मैंने एक छोटा सा ट्रिप प्लान किया। इस दौरान मैं उनकी पूरी टूर गाइड बनी रही।तस्वीरों में वियतनाम की खूबसूरत जगहों पर परिवार की मस्ती साफ दिख रही है। यह ट्रिप उनके लिए बेहद यादगार साबित हुई।

बता दें कि श्रिया पिलगांवकर 90 के दशक के अभिनेता सचिन पिलगांवकर और अभिनेत्री सुप्रिया पिलगांवकर की बेटी हैं। श्रेया ने भी अपने माता-पिता की तरह सिनेमा की दुनिया में अपने करियर को बनाने का फैसला लिया। बचपन से ही श्रेया फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम करती रहीं और छोटे किरदारों के जरिए अपने अभिनय को निखारा।

साल 2010 में श्रेया ने चल चलिए नाम की शॉर्ट फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने एक कुल्टी जैसी कुछ कहानियों के जरिए अपना नाम बनाने की कोशिश की है।

अभिनेत्री जल्द ही फिल्म हैवान में नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। इस बात की जानकारी उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। इस फिल्म की शूटिंग के कुछ भाग ऊंटी में शूट किए गए थे। फिल्म में सैफ अली खान और अक्षय कुमार साथ में नजर आएंगे। दोनों लगभग 18 सालों के बाद स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे, जिसे देखने के लिए प्रशंसक और भी ज्यादा उत्साहित हैं।

नमक से जुड़े इन 5 भ्रमों को सच मानते हैं लोग, जानिए इनकी सच्चाई

नमक के बारे में कई भ्रम प्रचलित हैं, जो लोगों को भ्रमित करते हैं और सही निर्णय लेने से रोकते हैं। इन भ्रमों की जड़ें वैज्ञानिक तथ्यों से दूर होती हैं और ये हमारे खाने और सेहत पर गलत असर डाल सकते हैं। इन भ्रमों को दूर करना जरूरी है, ताकि लोग सही जानकारी के आधार पर अपने खाने में नमक का उपयोग कर सकें। आइए नमक से जुड़े 5 भ्रमों और उनकी सच्चाई के बारे में जानते हैं।

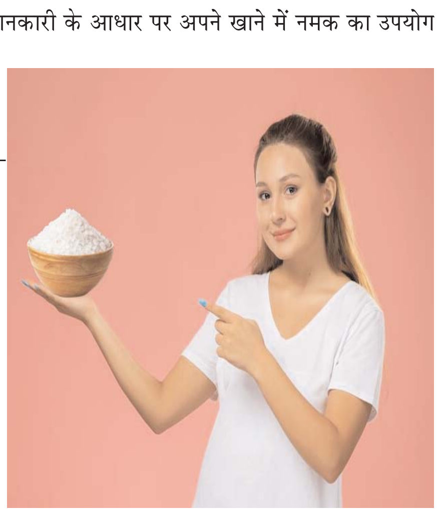

भ्रम- नमक खाने से बढ़ता है ब्लड प्रेशर

यह सबसे आम भ्रम है कि नमक खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है। हालांकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। ज्यादा मात्रा में नमक का सेवन करने से ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ सकता है, लेकिन सामान्य मात्रा में नमक खाने से ऐसा कोई असर नहीं होता। इसके लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी हैं, ताकि ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहे। नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करना चाहिए, ताकि इस परेशानी से बचा जा सके।

भ्रम- समुद्री नमक सेहत के लिए होता है बेहतर

कई लोग मानते हैं कि समुद्री नमक सेहत के लिए बेहतर होता है, जबकि यह सिर्फ एक भ्रम है। दोनों प्रकार के नमक, चाहे वह समुद्री नमक हो या साधारण नमक, शरीर को जरूरी आयोडीन प्रदान करते हैं। आयोडीन की कमी से थायराइड जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, आयोडीन युक्त नमक का सेवन करना जरूरी है। दोनों प्रकार के नमक में आयोडीन की मात्रा समान होती है और दोनों ही शरीर को जरूरी पोषण प्रदान करते हैं।

भ्रम- नमक का सेवन बढ़ाता है मोटापा

एक और भ्रम यह है कि नमक का सेवन मोटापा बढ़ाता है। सच यह है कि मोटापा मुख्य रूप से असंतुलित आहार और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण होता है। अगर आप संतुलित आहार लेते हैं और नियमित व्यायाम करते हैं तो नमक का सेवन मोटापा नहीं बढ़ाएगा। इसलिए, इस भ्रम पर ध्यान न दें और अपने खाने में संतुलन बनाए रखें, ताकि आप स्वस्थ रह सकें और पतले रह सकें।

भ्रम- डाइटिंग करने वालों को नहीं खाना चाहिए नमक

डाइटिंग करने वालों को यह डर रहता है कि कहीं उनका वजन न बढ़ जाए, इसलिए वे नमक नहीं खाते। हालांकि, संतुलित मात्रा में नमक खाना फायदेमंद होता है। इसकी मदद से शरीर को जरूरी मिनरल मिलते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसलिए, डाइटिंग करने वालों को बिल्कुल भी घबराने की जरूरत नहीं है और उन्हें अपने खाने में थोड़ी मात्रा में नमक शामिल करना ही चाहिए।

भ्रम- नमक में नहीं होता कोई पोषण मूल्य

कुछ लोग मानते हैं कि नमक में कोई पोषण मूल्य नहीं होता, जबकि यह पूरी तरह गलत है। नमक में आयोडीन नामक मिनरल पाया जाता है, जो थायराइड ग्रंथि के लिए बहुत जरूरी होता है। आयोडीन की कमी से थायराइड ग्रंथि प्रभावित होती है, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, नमक में मौजूद आयोडीन की अहमियत समझना जरूरी है, ताकि थायराइड जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

क्या हरे सेब लाल से ज्यादा सेहतमंद होते हैं? जानिए सही जानकारी

सेब एक ऐसा फल है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय है। आमतौर पर लाल सेब को कम सेहतमंद माना जाता है, जबकि हरे सेब को ज्यादा पोषक तत्वों वाला समझा जाता है। इस लेख में हम इस धारणा की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वास्तव में हरे सेब लाल से बेहतर होते हैं या नहीं। आइए जानते हैं कि हरे और लाल सेब में क्या अंतर होता है और किसे चुनना ज्यादा फायदेमंद होता है।

हरे और लाल सेब में क्या अंतर है?

हरे और लाल सेब, दोनों ही सेब की अलग-अलग किस्में होती हैं। हरे सेब आमतौर पर खट्टे होते हैं, जबकि लाल सेब मीठे होते हैं। इनके रंग और स्वाद का अंतर इनके पकने के स्तर पर निर्भर करता है। हरे सेब कम पके होते हैं और उनमें एक खास तत्व अधिक होता है, जो उन्हें खट्टा बनाता है। वहीं लाल सेब पूरी तरह से पक चुके होते हैं और उनमें मीठास की मात्रा अधिक होती है।

पोषक तत्वों के लिहाज से किसका चयन सही है?

पोषक तत्वों के मामले में दोनों ही सेब समान होते हैं। दोनों में विटामिन-ष्ट, फाइबर और सेहत के लिए फायदेमंद तत्व होते हैं। हरे सेब में सेहत के लिए फायदेमंद तत्व की मात्रा थोड़ी अधिक होती है, जबकि लाल सेब में मीठास की मात्रा ज्यादा होती है। इसलिए, अगर आप कम मीठास वाले फल चाहते हैं तो हरे सेब चुनें, जबकि मीठे फल पसंद करने वालों के लिए लाल सेब बेहतर हो सकता है।

वजन घटाने में कौन-सा सेब ज्यादा असरदार?

अगर आप वजन घटाने के लिए फल चुन रहे हैं तो हरा सेब आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें कम कैलोरी होती है और यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है। इसके अलावा इसमें फाइबर की मात्रा भी अधिक होती है, जो पाचन क्रिया को स्वस्थ रखती है और वजन नियंत्रित करने में मदद करती है। लाल सेब भी सेहतमंद होते हैं, लेकिन इनमें मीठास की मात्रा अधिक होती है।

दांतों के स्वास्थ्य के लिए कौन-सा सेब बेहतर है?

दांतों के स्वास्थ्य के लिए दोनों ही सेब फायदेमंद होते हैं, लेकिन हरे सेब में एक विशेष तत्व अधिक होता है, जो दांतों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, अगर आपके दांत संवेदनशील हैं या आपको दांतों की समस्या है तो लाल सेब चुनना बेहतर होगा। लाल सेब में मौजूद एक खास तत्व दांतों की सुरक्षा करता है और कैविटी से बचाता है। इसके अलावा दोनों प्रकार के सेब में मौजूद एक अन्य तत्व दांतों के लिए लाभकारी होता है।

किसे चुनना चाहिए?

अब सवाल यह उठता है कि हरे या लाल, किस रंग के सेब को चुनना चाहिए? अगर आप मीठे फल पसंद करते हैं तो लाल सेब आपके लिए बेहतर विकल्प होगा। वहीं कम मीठास वाले फल चाहने वालों के लिए हरे सेब अच्छा विकल्प हो सकते हैं। अंत में कह सकते हैं कि दोनों ही सेब सेहतमंद होते हैं और अपने-अपने स्थान पर लाभकारी होते हैं। इसलिए, अपनी पसंद अनुसार ही सेब चुनें।

अब भारत के पड़ोस में भड़की युद्ध की आग, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर बरसाए बम; मार गिराए 350 तालिबानी

नई दिल्ली (ए.)। इजरायल और ईरान के बीच चल रहे भीषण युद्ध के बीच अब भारत के पड़ोस में भी हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले चार दिनों से खूनी जंग जारी है, जिसने पूरे साउथ एशिया की धड़कनें बढ़ा दी हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उनके मुल्क ने अफगानिस्तान के 41 ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इन हमलों में अब तक 350 से ज्यादा तालिबान लड़ाके मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 130 तालिबानी चौकियों को पूरी तरह से तबाह कर दिया गया है और करीब 530 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

रक्षा मंत्री ने किया खुली जंग का ऐलान, शांति की कोशिशें हुईं फेल

इस खूनी संघर्ष को लेकर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहले ही यह खौफनाक ऐलान कर दिया था कि अफगानिस्तान के साथ अब पाकिस्तान की खुली जंग शुरू हो चुकी है। उनका आरोप था कि तालिबान ने

पाकिस्तानी सीमा में घुसपैठ कर हमले किए हैं, जिसका अब मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। इसी के तहत पाकिस्तान ने काबुल और कंधार समेत अफगानिस्तान के कई बड़े और अहम शहरों को अपना निशाना बनाया है। इस बढ़ते तनाव को कम करने के लिए तुर्की और कतर जैसे देशों ने दोनों मुल्कों के बीच मध्यस्थता कराने की भरपूर कोशिश की, लेकिन उनके सभी प्रयास पूरी तरह विफल साबित हुए।

एक तरफ जहां पाकिस्तान अपनी जीत के दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान ने भी पलटवार करते हुए पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं। तालिबान का दावा है कि उसके लड़ाकों ने जवाबी कार्रवाई में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया है। इतना ही नहीं, अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के दो बड़े मिलिट्री बेस और 19 मिलिट्री पोस्ट पर भी अपना कब्जा जमा लेने का सनसनीखेज दावा किया है। हालांकि, पाकिस्तान की सेना और सरकार ने अफगानिस्तान के इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह दुश्मनी नई नहीं है। साल 2021 में अफगानिस्तान से नाटो सेनाओं की वापसी के बाद पाकिस्तान को यह मुगालता था कि तालिबान की सत्ता आने पर वह अफगानिस्तान को अपने इशारों पर नचा सकेगा। लेकिन तालिबान ने अपनी सरजमीं का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए करने से साफ इनकार कर दिया। इसके अलावा सबसे बड़ा विवाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और डूरंड लाइन को लेकर है।

होर्मुज जलमार्ग को बंद करने का कोई इरादा नहीं : अब्बास अराघची

तेहरान,(ए.)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि फिलहाल होर्मुज जलमार्ग को बंद करने का कोई इरादा नहीं है। एक दिन पहले जब अमेरिकी हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे तो आशंका जताई जा रही थी कि ईरान होर्मुज को बंद कर सकता है। अगर होर्मुज बंद होता तो कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकते थे। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर भी पड़ सकता था। हालांकि एक्सपर्ट मान रहे है कि कच्चे तेल के दामों में बढ़ोतरी का जोखिम अभी भी बना हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान होर्मुज जलमार्ग को आधिकारिक तौर पर बंद न करे लेकिन वह ऑयल टैंकर्स पर हमले कर सकता है।

ईरान का अमेरिका पर भीषण पलटवार, कुवैत में भस्म किए कई फाइटर जेट

कुवैत (ए.)। अमेरिका और इजराइल की ओर से की गई सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान ने अब बेहद आक्रामक अंदाज में पलटवार करना शुरू कर दिया है। रविवार को दुबई पर हमला करने के बाद ईरान ने सोमवार को कुवैत को अपना निशाना बनाया और ताबड़तोड़ हमले कर अमेरिका को सीधी चुनौती दी है। कुवैत के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस बात की पुष्टि की है कि सोमवार सुबह कई अमेरिकी सैन्य विमान तबाह हो गए हैं। गनीमत यह रही कि विमानों में सवार सभी क्रू मेंबर समय रहते कूद गए और वे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद अस्पताल में चल रहा इलाज

रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में प्रवक्ता ने बताया कि हमलों के तुरंत बाद अधिकारियों ने सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया था। इस त्वरित अभियान की बदौलत पायलटों को सुरक्षित निकाल लिया गया। फिलहाल उनकी गहन स्वास्थ्य जांच और आवश्यक मेडिकल इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में शिफ्ट किया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। घटना के बाद पैदा हुए हालातों से निपटने के लिए अमेरिकी फोर्स के साथ सीधा समन्वय किया जा रहा है और साझा तकनीकी उपाय भी लागू किए गए हैं। अधिकारी इस बात की सघन जांच कर रहे हैं कि आखिर विमानों के क्रैश होने की मुख्य वजह क्या थी।

हिजबुल्लाह के जोरदार हमले को देखते हुए इजराइल ने किया आयरन बीम का इस्तेमाल

-इजराइली सेना का दावा- कुछ मिसाइलों को आयरन बीम से रोक दिया

तेल अवीव,(ए.)। अमेरिका-इजराइल ने मिलकर ईरान पर एक के बाद एक कई हमले किए हैं। ईरान भी अमेरिका के साथी देशों पर मिसाइलें लगातार दाग रहा है। इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत से हिजबुल्लाह भी भड़क गया है। हिजबुल्लाह ने रविवार देर रात इजराइल पर बड़ा हमला किया, लेकिन इजराइली सेना के डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को पूरी तरह नाकाम कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने सीमा पार से आने वाली कुछ मिसाइलों को आयरन बीम से रोक दिया। हिजबुल्लाह ने इजराइल पर किए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। हिजबुल्लाह का कहना है कि उसने इजराइल पर ये हमला ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत का बदला लेने के लिए किया है, लेकिन इजराइली सेना ने दावा है कि इस हमले में उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इजराइल वॉर रूम के जारी एक वीडियो में आयरन बीम की शक्ति का प्रदर्शन किया गया, जिसे तेल अवीव का युद्ध के नए दौर का डिफेंस सिस्टम बताया गया है। इजराइली सेना ने फुटेज में दिखाया कि हिजबुल्लाह की मिसाइलों को आसमान में ही रोक दिया गया। सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि आयरन बीम का इस्तेमाल पहली बार किया गया है। इजराइल के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक आयरन बीम को आयरन डोम के साथ ही डेवलप किया गया है।

हांगकांग में चलती सड़क, लोग घर से निकलते ही बिना हिलेडुले मंजिल पर पहुंच रहे

-सेंट्रल-मिड-लेवल एस्केलेटर सिस्टम बना शहरी योजना का अनोखा मॉडल

हांगकांग,(ए.)। आप घर से बाहर निकलें और सड़क खुद आपके पास आ जाए, आप उस पर खड़े हो जाएं और सीधे मंजिल तक पहुंच जाएं। यह किसी फिल्म का सीन नहीं, बल्कि हांगकांग की रोजमर्रा की हकीकत है। यहां दुनिया का सबसे लंबा आउटडोर कवर एस्केलेटर सिस्टम-सेंट्रल-मिड-लेवल एस्केलेटर शहर की 'लाइफलाइन' माना जाता है। करीब 800 मीटर लंबा यह सिस्टम हांगकांग सेंट्रल को मिड-लेवल के पहाड़ी रिहायशी इलाके से जोड़ता है। जब यात्री इस एस्केलेटर पर खड़े होते हैं, तो शहर मानो एक चलती हुई फिल्म की तरह सामने गुजरता है। एक ओर पारंपरिक छोटी दुकानें और धार्मिक स्थल तो दूसरी ओर आधुनिक बार और रेस्टोरेंट। जैसे-जैसे ऊपर बढ़ते हैं, नीचे ट्रैफिक का शोर धीमा होता जाता है और ठंडी हवा का अहसास होता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में हांगकांग की पहाड़ी ढलानों पर रहने वाले हजारों लोगों के लिए नीचे शहर तक पहुंचना चुनौती थी। संकरी सड़कों पर जाम आम बात थी और नई सड़कें

बनाने की जगह नहीं थी। तब इंजीनियरों ने 20 एस्केलेटर और 3 मूविंग वॉकवे को जोड़कर एक 'फ्लोटिंग ब्रिज' जैसा समाधान तैयार किया। इस परियोजना पर करीब 240 मिलियन हांगकांग डॉलर यानी 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किए गए। शुरुआत में इसे महंगा बताया गया, लेकिन आज इसे शहरी इंजीनियरिंग का मास्टरस्ट्रोक माना जाता है।

यह सिस्टम 24 घंटे एक ही दिशा में नहीं चलता। सुबह 6 से 10 बजे तक यह ऊपर से नीचे की ओर चलता है, ताकि लोग दफ्तर पहुंच सकें। सुबह 10 बजे से आधी रात तक इसकी दिशा बदल जाती है और यह नीचे से ऊपर की ओर चलता है, जिससे लोग बिना चढ़ाई चढ़े घर लौट सकें। पूरा रास्ता तय करने में 20-25 मिनट लगते हैं। हजारों लोगों ने कार छोड़कर एस्केलेटर अपनाया। पहाड़ी चढ़ाई का समय आधा हो गया। आसपास के इलाकों में रेस्टोरेंट, कैफे और दुकानें खुलीं, जिससे यह बड़ा पर्यटन आकर्षण बन गया।

रिपोर्ट के मुताबिक रोज 80 हजार से अधिक लोग इसका इस्तेमाल करते हैं और यह जमीन से करीब 135 मीटर की ऊंचाई तक जाता है। हालांकि रखरखाव के दौरान बंद होने पर लोगों को लंबी सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। दुनिया में ऐसे प्रयोग हमेशा सफल नहीं रहे। उदाहरण के तौर पर मोंटपार्नास-बिएनवेन्यू मेट्रो स्टेशन पर 2002 में लगाया गया हाई-स्पीड मूविंग वॉकवे तेज रफ्तार के कारण विवादों में रहा और बाद में उसकी गति कम करनी पड़ी।

इजरायल-S ने ईरान के कोर्नाक नेवल बेस पर किया हमला, 3 जहाज डूबे; कई इमारतें तबाह

नई दिल्ली(ए.)। मिडिल ईस्ट में जारी सैन्य टकराव के बीच अमेरिका और इजरायल ने दक्षिणी ईरान के कोर्नाक नेवल बेस पर बड़ा हमला किया है। ओमान की खाड़ी के पास स्थित इस सैन्य अड्डे पर किए गए हमले में

तीन युद्धपोतों के डूबने और कई इमारतों के तबाह होने की खबर है।लेटेस्ट सैटेलाइट इमेज में ओमान की खाड़ी के पास दक्षिणी ईरान में कोर्नाक नेवल बेस पर टूटी हुई इमारतें दिख रही हैं।

ये इमेज कल रविवार को जारी की गई थीं। इस हमले में नुकसान या ऑपरेशनल असर का कोई ऑफिशियल असेसमेंट पब्लिकली जारी नहीं किया गया है। अमेरिका-इजरायल के हमलों में शनिवार को ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। ईरान ने भी अमेरिका-इजरायल के हमलों का जवाब दिया है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच मिसाइल हमले लगातार बढ़ रहे हैं। इसी बीच अब ईरान में कोर्नाक नेवल बेस पर हमला हुआ है।

खेल समाचार

तीसरा वनडे 185 रन से जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने भारत का किया व्हाइटवॉश

नईदिल्ली (ए)। कप्तान एलिसा हीली के 158 रन और अलाना किंग की शानदार गेंदबाजी (4-33) की मदद से ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारतीय महिला टीम को 185 रनों से हरा दिया. रविवार (1 मार्च) को बेलेरिव ओवल में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के तीसरे व अंतिम वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने पहले 409 रनों का विशाल स्कोर बनाया और फिर 45.1 ओवर में भारत की पारी को 224 रनों पर ही समेट दिया. इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम कर लिया।

इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 409/7 का बड़ा स्कोर बनाया. कैप्टन एलिसा हीली ने अपने आखिरी वनडे मैच में 158 रन की शानदार पारी खेली, जबकि बेथ मूनी 106 रन बनाकर नाबाद रहीं।

भारत की शुरुआत खराब रही, स्मृति मंधाना दूसरे ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गईं. प्रतीक रावल और जेमिमा रोड्रिग्स ने पारी को फिर से संभालने की कोशिश की और दूसरे विकेट के लिए 52 रन जोड़े. प्रतीका ने आठवें ओवर में आउट होने से पहले 21 गेंदों पर 27 रन बनाए,इसके बाद एलेने गार्डनर ने जेमिमा को आउट किया, जिन्होंने 29 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 42 रन बनाए. कैप्टन हरमनप्रीत कौर और हरलीन देओल ने मिलकर 34 रन जोड़े, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने जल्दी वापसी की. हरलीन, हरमनप्रीत, ऋचा घोष और काश्वी गौतम पांच ओवर के अंदर आउट हो गईं, जिससे भारत एक समय 137/7 पर संघर्ष कर रहा था. दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने आठवें विकेट के लिए 63 रन जोड़कर मैच को देर तक टाला. दीप्ति ने 47 गेंदों पर 29 रन बनाए, इससे पहले कि वह 40वें ओवर में अलाना किंग की गेंद पर बोल्ड हो गईं. राणा ने 44 रन बनाए, लेकिन जॉर्जिया वेयरहम ने आखिरी विकेट लिया और भारत 45.1 ओवर में ऑल आउट हो गया।

टी-20 विश्व कप 2026: दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को हराकर दर्ज की लगातार 7वीं जीत

नईदिल्ली (ए)। टी-20 विश्व कप 2026 के 51वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराकर लगातार 7वीं जीत दर्ज की। वहीं, जिम्बाब्वे सुपर-8 में अपने सभी मुकाबले हार गई। इस टूर्नामेंट में उनका सफर यहीं समाप्त हो गया। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153/7 का स्कोर बनाया था। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 17.5 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर नजर डालते हैं।

मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सिकंदर रजा ने अकेले पारी संभाली और 73 रन बनाए। उनके अलावा जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। क्वेना मफाका और कॉर्बिन बॉश ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। जवाब में डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 18 गेंदों में 42 रन की पारी खेली। रजा ने गेंदबाजी में भी जलवा दिखाया और 3 विकेट चटकाए। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।रजा ने मैच में 43 गेंदों का सामना किया और 73 रन बनाए। उनके बल्ले से 8 चौके और 4 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 169.77 की रही। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 17वां अर्धशतक रहा, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका दूसरा पचासा था। उन्होंने इस विश्व कप में अपना पहला अर्धशतक लगाया। उन्होंने अब तक 133 मुकाबले खेले हैं और इसकी 128 पारियों में 26.62 की औसत से 3,089 रन बनाने में सफल रहे हैं। रजा टी-20 विश्व कप में में 50 से ज्यादा रन बनाने वाले जिम्बाब्वे के तीसरे कप्तान बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2014 में आयरलैंड के खिलाफ ब्रेंडन टेलर द्वारा बनाए गए 59 रन के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व कप में जिम्बाब्वे के कप्तान के रूप में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी दर्ज किया।

'आठ दिन में बदली तस्वीर': संजू सैमसन के सामने सूर्यकुमार यादव को झुकाना पड़ गया सिर

कोलकाता(ए)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को टी20 विश्व कप 2026 का आखिरी सुपर-8 मुकाबला खेला गया। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी भूमिका विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की रही। सैमसन मैच में टीम इंडिया के लिए नायक बनकर उभरे।भारतीय टीम को मैच जिताने के बाद संजू सैमसन जब पवेलियन की तरफ लौटे तो कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनके सामने नतमस्तक होना पड़ा। मैच से आठ दिन पहले हुए प्रेस कांफ्रेंस में संजू सैमसन को लेकर सूर्यकुमार का ऐसा बर्ताव नहीं था, लेकिन 8 दिन में ही संजू ने कप्तान को अपने सामने नतमस्तक होने पर मजबूर कर दिया। आइए पूरी कहानी समझते हैं।विश्व कप की शुरुआत से भारत बतौर ओपनिंग बल्लेबाज ईशान किशन और अभिषेक शर्मा के साथ खेल रही थी। अभिषेक शर्मा ग्रुप स्टेज में पूरी तरह फ्लॉप रहे थे और लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट हुए थे। उनकी बीमारी की वजह से नामीबिया के खिलाफ संजू को मौका मिला था। उन्होंने 8 गेंद पर 22 रन बनाए थे, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ अगले मैच में फिर से संजू को ड्रॉप कर अभिषेक को प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई और अभिषेक पाकिस्तान वाले मैच में शून्य पर आउट हुए।भारतीय टीम का सुपर-8 का पहला मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 फरवरी को था। मैच से एक दिन पहले प्रेस कांफ्रेंस में सूर्यकुमार यादव से पत्रकारों ने सवाल किया कि कई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे, तो क्या संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है? इसके जवाब में सूर्यकुमार यादव ने हंसते हुए कहा था कि क्या आप चाहते हैं कि मैं संजू को अभिषेक शर्मा या तिलक वर्मा की जगह खिलाऊं? संजू को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में मौका नहीं मिला। इस मैच में अभिषेक, तिलक और रिंकू का बल्ला नहीं चला और टीम इंडिया हार गई। टीम इंडिया के लिए सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो गई।भारत का 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरा सुपर-8 मैच था, जिसमें जीत जरूरी थी। टीम में बदलाव की चर्चा थी। रिंकू सिंह अपने बीमार पिता को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। उनकी जगह सैमसन को टीम में लाया गया और ओपनिंग कराई गई। सैमसन ने 15 गेंद पर 24 रन बनाए। यह पारी छोटी लेकिन प्रभावी थी और भारतीय टीम इसी शुरुआत के दम पर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाकर जीत हासिल कर पाई। इसके बाद संजू का प्लेइंग इलेवन में रहना तय हो गया था।

जसप्रीत बुमराह ने टी-20 क्रिकेट में छठी बार किया शिमरोन हेटमायर को आउट, जानिए आंकड़े

नईदिल्ली(ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने रविवार (1 मार्च) को बड़ा कमाल किया। टी-20 विश्व कप 2026 के 52वें मुकाबले में उन्होंने शानदार फॉर्म में चल रहे शिमरोन हेटमायर को पवेलियन भेजा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में बुमराह ने 12वें ओवर में वेस्टइंडीज को 2 झटके दिए। उनकी इस धारदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज का मध्यक्रम पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। हेटमायर के खिलाफ बुमराह के आंकड़े कमाल के रहे हैं, आइए उसपर नजर डालते हैं।

वेस्टइंडीज की पारी में हेटमायर तब बल्लेबाजी के लिए आए, जब टीम का स्कोर 68 रन पर एक विकेट था। इसके बाद उन्होंने 12 गेंदों पर 27 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 1 चौका और 2 छक्के निकले। हालांकि, तेज गेंदबाज बुमराह की शॉर्ट लेंथ गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में हेटमायर चूक गए। गेंद बल्ले के अंदरूनी किनारा लेकर विकेटकीपर संजू सैमसन के हाथों में चली गई और उनकी पारी का अंत हो गया।

बुमराह का पलड़ा हेटमायर पर भारी नजर आता है। टी-20 क्रिकेट की 10 पारियों में बुमराह ने हेटमायर को 6 बार आउट किया है। इस दौरान हेटमायर ने 23 गेंदों पर केवल 17 रन बनाए, जिसमें 11 गेंदों पर कोई रन नहीं बना और सिर्फ 1 चौका लगा। बुमराह के खिलाफ हेटमायर की औसत 2.83 की

सैमसन की प्रशंसा करते हुए गंभीर बोले, हमेशा से उसकी क्षमताओं का अंदाजा था

कोलकाता (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तीसरे सुपर-8 मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है। साथ ही कहा वह हमेशा से उसकी क्षमता जानते थे। गंभीर के अनुसार कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है और यही उसे मिला है। सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज

में खराब प्रदर्शन के कारण विश्वकप के शुरुआती मैच के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज में सैमसन एक बार भी 30 रन तक नहीं पहुंच पाये थे, वहीं एक बार वह शून्य पर ही आउट हुए थे। इसके अलावा गोल्डन डक के साथ वह कुल 3 बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे।

गंभीर ने कहा, संजू एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है, सही जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है। टीम को जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उसने अपने को साबित किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उसकी क्षमताएं सामने आई हैं। उम्मीद है, यह उसके लिए बेहतर प्रदर्शन का समय है और आगे के दो और गेम में भी रहेगा। उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी में कभी भी तेज खेलने का प्रयास नहीं किया। केवल सामान्य शॉट ही लगाये। मैंने उसे कभी बॉल को ताकत से मारते हुए भी नहीं देखा, और उसमें इसी तरह की प्रतिभा है। जब आपको पता होता है कि गेम आपके नियंत्रण में है और आप जानते हैं कि आप अच्छा महसूस कर रहे हैं, तो मनोबल बढ़ा रहता है।

लुंगी एनगिडी टी-20 अंतराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

नईदिल्ली(ए.)। टी-20 विश्व कप 2026 के 51वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रोटियाज टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के रयान बर्ल (5) को आउट कर ये उपलब्धि हासिल की। इस खिलाड़ी ने स्पिन गेंदबाज तबरेज शम्सी को पीछे छोड़ा है। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

एनगिडी ने 63 मुकाबले खेले हैं और इसकी 63 पारियों में 20.32 की औसत और 8.58 की इकॉनमी रेट से 90 विकेट लिए हैं। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल और 1 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/39 का रहा है। शम्सी ने 70 पारियों में 20.89 की औसत से 89 विकेट लिए हैं। उनकी इकॉनमी रेट 7.39 की रही है। कगिसो रबाडा 82 विकेट के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।एनगिडी ने मैच में 4 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ 29 रन देकर 1 विकेट अपने नाम किया।

अभी भी मेरे अंदर भारतीय टीम से खेलने का जुनून : शमी

मुम्बई (ए.)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उनके अंदर अभी भी भारतीय टीम से खेलने का जुनून है। शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उनकी उपेक्षा हुई है। शमी ने अंतिम बार साल 2025 में खेला था। इसके बाद से ही वह किसी भी प्रारूप में नहीं खेले हैं हालांकि वह घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं। शमी का कहना है कि वह अभी भी देश के लिए, खेलना चाहते हैं। साथ ही कहा कि उनमें अभी भी खेलने की क्षमता है।

शमी ने कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं, चाहे आप कोई भी खेल खेलें, अगर आपके अंदर योग्यता है तो उसे बेकार न करें।' नवंबर 2024 में लंबी चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने घरेलू क्रिकेट में काफी मेहनत की है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में बंगाल के लिए खेलते हुए वह काफी अच्छे फॉर्म में नजर आये। सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया है। इस सीजन की 12 पारियों में शमी ने 36 विकेट लिए हैं और वे टूर्नामेंट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

2025 की शुरुआत में टी20 मैचों और विजेता चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल रहने के बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली।

सैंकडों स्थानों पर गड़े होली के डांडे, युवा और बच्चों में विशेष उत्साह

पूजन अर्चन के बाद हुआ दहन, कल मनेगा रंगोत्सव, श्रीराम चौक पर कंडे व नारियल की होली

नर्मदापुरम (निप्र)। होलिका उत्सव के तहत युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह है। शाम को पूजन के बाद रात में होलिका दहन हुआ। चंद्र ग्रहण के कारण आज धुलेंडी नहीं मनाई जाएगी। कल मलेगी। शहर में करीब 250 स्थानों पर होली जलाई गई। हर मोहल्ले और हर कालोनी की अपनी होली के चलते जगह -जगह होलिका दहन वाले स्थानों तैयारी की गई थी। होली के पर्व पर कई लोगों ने शाम से रंग गुलाल लगाना शुरू कर दिया था।

डांडे वाले स्थानों को सजाया

शहर के अनेक स्थानों पर सुबह से होलिका दहन वाले स्थानों पर डांडे को सजाया गया। साफ -सफाई कर वहां पर कंडे रखे गए कुछ स्थानों पर लकड़ी भी सजाई गई। शाम के समय मोहल्ले के लोगों के द्वारा होली वाले स्थान पर पूजन का क्रम शुरू हो गया था। यह क्रम देर शाम तक जारी रहा। देर रात में होलिका दहन किया गया। छिन्न मस्तिका उत्सव समिति के द्वारा बीते 30 वर्षों की तरह नारियल व कंडे सहित लकड़ी की होली जलाई गई।

कंडे और नारियल की होली

सतरस्ता सहित शहर के अनेक स्थानों पर गोकाष्ट व कंडे की व्यवस्था की गई। जिसमें नर्मदापुरम युवा मंडल व वरिष्ठजनों के साथ युवा भी सहयोग कर रहे थे। पर्यावरण को बचाने के संदेश देने वाले योगेंद्र सोलंकी, अखिलेश खंडेलवाल सहित अनेक लोगों ने गोकाष्ठ की होली शाम को ही जलाई। शहर के अनेक स्थानों पर कंडे की होली जलाने की व्यवस्था हुई। कुछ स्थानों पर कंडे के साथ नारियल की होली भी जलाई गई।

युवाओं और बच्चों में रहा विशेष उत्साह

होली के पर्व पर मस्ती के मूंड में युवा और बच्चे ज्यादा नजर आ रहे हैं अनेक बच्चों ने एक दिन पूर्व से ही नई नई पिचकारियां बुलवा ली थी। जब पिचकारी आ गई तो वे कहां रूकने वाले थे। दोपहर बाद से ही अनेक बच्चे पिचकारी में रंग भर कर एक दूसरे पर रंग डालने की मस्ती में मस्त नजर आ रहे थे।

कल उड़ेगा रंग गुलाल

होली के मुख्य त्योहार धुलेंडी के अवसर पर बुधवार को शहर के अनेक स्थानों पर जुलूस के रूप में युवाओं की टोली निकलेगी जो रंग उत्सव मनाने के साथ धमाल करेंगे। युवाओं के द्वारा एक दिन पूर्व से ही तैयारी की गई है। रंग के साथ गुलाल और अन्य व्यवस्थाएं जुटाते हुए अपने साथियों को रंग से सराबोर करने की तैयारी की गई है।

बाजार में जमकर हुई खरीदी

त्योहारी बजाार के चलते बाजार में दो तीन दिन पूर्व से ही अच्छी खासी खरीदी हो रही है। बााजार में रौनक बनी रही। घर में बनने वाले पकवान की सामग्री की खूब बिक्री हुई है। सतरस्ते पर त्यौहारी बाजार लगा हुआ था। मुख्य बाजार क्षेत्र में भी पर्व का महौल बना रहा।

वैदिक संस्कारों के बीच खिले मासूम चेहरे

कर भला सो हो भला टीम ने गुरुकुल के बच्चों संग मनाई होली

इटारसी। परोपकार और सेवा के संकल्प के साथ निरंतर सक्रिय रहने वाली संस्था कर भला सो हो भला की टीम ने इस बार होली का पर्व महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम जमानी के बच्चों के साथ साझा किया। संगठन के सदस्यों ने आश्रम पहुंचकर बच्चों को रंग.बिरंगी पिचकारियां भेंट कीं जिससे नन्हे बटुकों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

खुशियों की बौछार और कृतज्ञता

गुरुकुल के आचार्य सत्यप्रिय ने बताया कि जैसे ही बच्चों के हाथों में पिचकारियां आईंए उनकी खुशी का ठिकाना न रहा। बच्चों ने उत्साहपूर्वक पानी की बौछार कर होली का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि संगठन के सदस्य समय.समय पर गुरुकुल की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ न कुछ मदद लेकर आते रहते हैंए जो इन बच्चों के लिए संबल का काम करता है।

जरूरतमंद बच्चों का सहारा बना संगठन

बता दें कि इस गुरुकुल में लगभग 40 बच्चे वैदिक पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ये बच्चे अत्यंत जरूरतमंद परिवारों से आते हैं, जिनके लिए दानदाता ही उनके परिवार के समान हैं। वैदिक व शालेय शिक्षा रू यहां बच्चे प्राचीन वैदिक रीति के साथ.साथ आधुनिक स्कूली शिक्षा भी प्राप्त करते हैं। परिजन जैसा स्नेह रू त्योहारों पर जब इन बच्चों के पास सीमित संसाधन होते हैं, तब कर भला सो हो भला जैसी संस्थाएं ही इनके परिजनों की कमी को पूरा करती हैं।

संगठन का मानना है कि इन बच्चों की मुस्कान ही हमारी असली उपलब्धि है। समाज के सहयोग से ही इन बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो रहा है।

उज्ज्वल भविष्य की कामना

गुरुकुल परिवार और बच्चों ने इस स्नेहपूर्ण उपहार के लिए आभार व्यक्त किया और सभी दानदाताओं के सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। यह पहल समाज के लिए एक प्रेरणा है कि कैसे छोटे.छोटे प्रयासों से हम किसी के त्योहार को यादगार बना सकते हैं।

फाल्गुन पूर्णिमा महोत्सव आज

होगी मां नर्मदा की महाआरती

नर्मदापुरम(निप्र)। प्रति वर्ष परम्परागत रूप से सेठानीघाट पर फाल्गुन पूर्णिमा पर माँ नर्मदा महाआरती के साथ होलिका दहन और फूलों की होली का भी रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी तारतम्य में आज 3 मार्च मंगलवार फाल्गुन पूर्णिमा को ग्रहण के मोक्ष के उपरांत सायंकाल 7 बजे से आस्था एवं विश्वास का उक्त कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा । जिसमें नगर के सभी श्रद्धालु शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित करेंगे ।

कर्मचारियों के वैधानिक भुगतान हेतु आवेदन की तिथि 9 मार्च तक

आवेदन की तिथि 15 मार्च तक बढ़ाने की मांग

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्य प्रदेश सड़क परिवहन निगम संभागीय कार्यालय के द्वारा अवगत कराया गया कि कर्मचारियों के वैधानिक भुगतान हेतु आवेदन प्राप्त करने की तिथि 9 मार्च को रखी गई है। इसके उपरांत आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे प्रबंध निदेशक से कर्मचारियों ने यह मांग की है कि होली रंग पंचमी के त्यौहार होने की वजह से कर्मचारी समय पर आवेदन प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे अत: 15 मार्च तक तारीख बढ़ाई जाए पूर्व अध्यक्ष अरुण दीक्षित ने बताया कि लगभग 19 कर्मचारी मृत हो चुके हैं एवं कई कर्मचारी वृद्ध एवं चलने फिरने में असहाय है जिसके कारण व्यक्तिगत फॉर्म मुख्यालय से प्राप्त करने में असमर्थ है दीक्षित ने कहा कि हर डिपो कार्यालय में किसी व्यक्ति विशेष को जिम्मेदारी देते हुए फॉर्म प्राप्त करने के आदेश जारी किया जाना चाहिए जिससे सेवानिवृत कर्मचारी अपने वैधानिक भुगतान को प्राप्त कर सके स्थानीय नेहरू पार्क में रखी गई बैठक में पूर्व डिपो प्रबंधक राज सिंह चौधरी डिपो ऑडिटर जमाल खान सुपरवाइजर दिनेश मालवीय सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित हुए दीक्षित ने बताया कि उपरोक्त मांग के संबंध में 2 मार्च को जिला कलेक्टर को भी इस विषय में ज्ञापन दिया गया। साथ ही विधायक एवं सांसद को कर्मचारियों की वेदना अनुसार अवगत कराया जाएगा।

समेरिटन्स इटारसी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम। इटारसी (निप्र)। समेरिटन्स इंग्लिश मीडियम सेकेंडरी स्कूलए इटारसी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विज्ञान विषय पर आधारित विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुए। कार्यक्रम के सेवानिवृत्त शिक्षक सुभाष जैन थे। अन्य अतिथियों में सेवानिवृत् प्राचार्य जीपी मालवीय, प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक पंडित विनय व्यासए शिक्षक.पालक संघ अध्यक्ष एनपी चौधरी, श्रीमती मोनिका चौधरी, श्रीमती हरप्रीत कौर उपस्थित रहीं। इस अवसर पर विधार्थियों ने मैजिक शो का आयोजन किया। विज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से मैजिक जादू को समझाया गया। नर्सरी एवं प्राथमिक कक्षाओं के विधार्थियों ने जीवन में संतुलित आहार की अहमियत पर नाटिका प्रस्तुत की। विद्यालय के छात्रों ने कई सराहनीय प्रायोगिक मॉडल प्रदर्शित कियेए जिन्होंने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर श्री जैन ने बच्चों को विज्ञान के उपयोग एवं महत्व के विषय में जानकारी प्रदान की।

मालवीय ने बच्चों को स्वस्थ जीवन के लिए विज्ञान के योगदान के बारे में बताया। स्वागत भाषण स्वागत भाषण शिक्षिका श्रीमती नमिता दीप्ति दास दिया जबकि प्राची शर्मा ने सर सीवी रमन के जीवन के बारे में जानकारी दी। संचालन शिक्षिका सुश्री प्रियल दुबे ने किया स प्राचार्य प्रशांत दीक्षित ने सभी अतिथियों का आभार माना। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रांगण में फलदार पौधों का रोपण किया गया।

होली केवल रंगों का नहीं, प्रेम, उल्लास और एकता का त्योहार है- डॉ चटर्जी

ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल में हुआ रंगारंग होली उत्सव
नन्हें मुन्हों के संग, रंगारंग प्रेम, एकता, संस्कृति और आनंद का सुंदर संगम

नर्मदापुरम (निप्र)। रंग उमंग और उत्साह से भरपूर वातावरण के बीच सोमवार को विद्यालय में होली का पर्व बड़े ही आनंदमय और सुरक्षित ढंग से मनाया गया। प्री.प्राइमरी एवं प्राइमरी के बच्चों ने पूरे जोश और उल्लास के साथ रंगोत्सव में भाग लिया। विद्यालय का प्रांगण बच्चों की हंसी रंग.बिरंगे गुलाल और मधुर संगीत से गूंज उठा। पिछले तीन दिनों से प्रार्थना सभा के माध्यम से विद्यार्थियों को होली के महत्व, होलिका दहन की कथा तथा बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश से अवगत कराया जा रहा था। सोमवार को भी विशेष रूप से बच्चों को प्राकृतिक रंगों के उपयोग, पानी की बचत और सुरक्षा के साथ होली खेलने की सीख दी गई।

कार्यक्रम के दौरान प्री.प्राइमरी एवं प्राइमरी के बच्चों ने होली के गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। इस वर्ष होली उत्सव की खास बात यह रही कि अभिभावकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बच्चों को उल्लास और अनुशासन के साथ होली खेलते देख उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। नन्हें-मुन्नों ने बड़े ही स्नेह और आदर के साथ अपने माता.पिता को गुलाल का तिलक लगाकर हैप्पी होली की शुभकामनाएँ दीं। यह दृश्य प्रेम और संस्कारों से परिपूर्ण था, जिसने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी द्वारा बच्चों को स्नेह पूर्वक रंग लगाकर होली की शुभकामनाएँ दी गईं। बच्चों ने भी आदरपूर्वक उन्हें गुलाल लगाकर हैप्पी होली कहकर अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। विद्यालय की निदेशक श्रीमती जूही चटर्जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ाया।इस आयोजन की प्रभारी श्रीमती रूचि राजपूत एवं सुश्री प्रिया निगम रहीं, जिनके मार्गदर्शन में संपूर्ण कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।बच्चों के विद्यालय से प्रस्थान के पश्चात शिक्षकों ने भी आपसी स्नेह के साथ होली खेली। शिक्षकों के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़.चढ़कर भाग लिया। रंग, हंसी और उत्साह के बीच शिक्षकों ने भी इस पर्व को यादगार बना दिया।इस प्रकार ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल में होली का यह उत्सव केवल रंगों तक सीमित न रहकर प्रेम, एकता, संस्कृति और आनंद का सुंदर संगम बन गया।रंगों के संग मुस्कान और संस्कारकृयही रही इस होली उत्सव की विशेष पहचान।

विश्व श्रवण दिवस की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। सोमवार 2 मार्च 2026 को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, सामाजिक एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय से जिला स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करें। विश्व श्रवण दिवस के अंतर्गत जनजागरूकता रैलियों का आयोजन, श्रवण सुरक्षा एवं स्वच्छ आदतों के संबंध में पोस्टर एवं नाट्य प्रस्तुति, ऑडियो-विजुअल माध्यम से जानकारी का प्रसार तथा विद्यालयों में कान एवं श्रवण संबंधी विशेष जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही विद्यार्थियों एवं आमजन को श्रवण स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करते हुए कार्यक्रम को प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाएं।

कलेक्टर के निर्देश अनुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्यवाही

44 नमूने जांच हेतु भेजे, 7 कारोबारियों को नोटिस जारी

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार होली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए सोमवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न तहसीलों में सघन जांच एवं कार्रवाई की गई। कार्रवाई का उद्देश्य आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। तहसील पिपरिया में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा बीकानेर मिष्ठान भंडार से मगज के लड्डू एवं मावा, सपना स्वीट्स से कलाकंद, राजस्थान स्वीट्स से रसगुल्ला तथा साहू बेकरी से कुकीज एवं नमकीन के नमूने लिए गए। इसी प्रकार तहसील सोहागपुर में न्यू बीकानेर मिष्ठान भंडार, श्री बीकानेर मिष्ठान भंडार एवं कमानी गेट स्थित मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई एवं स्वच्छता संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए गए।तहसील सिवनी मालवा में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा राजस्थान स्वीट्स, आसी आइसक्रीम एवं कंचन मावा से विभिन्न मिठाइयों के नमूने लिए गए। साथ ही चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से मौके पर ही खाद्य पदार्थों की प्राथमिक जांच की गई। जिला प्रशासन के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वास्थ्यकर एवं स्वच्छ वातावरण में मिठाई एवं नमकीन तैयार करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। अब तक जिले में कुल 44 नमूने लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे जा चुके हैं। अनियमितता पाए जाने पर 7 खाद्य कारोबारियों को नोटिस भी जारी किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान आमजन की सेहत से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा।

एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को कैंपेन मोड में क्रियान्वित करते हुए 14 वर्ष तक की बालिकाओं का शत -प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें - कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

नरवाई प्रबंधन के उपायों को गंभीरता एवं प्राथमिकता से करें लागू

नर्मदापुरम(निप्र)। सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक के दौरान संकल्प से समाधान अभियान, एचपीवी वैक्सीनेशन, उपार्जन सहित अन्य योजनाओं, अभियानों एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा की।समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर ने 'संकल्प से समाधान' अभियान की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के तहत अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त किए जाएं तथा उन्हें निर्धारित पोर्टल पर समयसीमा में फीड करना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व विभाग इस दिशा में विशेष सक्रियता दिखाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदन प्राप्त होने के उपरांत यदि उन्हें पोर्टल पर फीड नहीं किया जाता है, तो राज्य स्तर पर जिले की रैंकिंग प्रभावित हो सकती है। अत: सभी संबंधित अधिकारी इस संबंध में विशेष सतर्कता बरतें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एसडीएम स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए तथा अभियान को व्यापक रूप से जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने समस्त सीएमओ एवं सीईओ को भी निर्देशित किया कि अभियान अवधि के दौरान प्रगति में उल्लेखनीय सुधार लाया जाए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि श्रम विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं के तहत भी पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त किए जाएं, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी इस अभियान को कैंपेन मोड में गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ संचालित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य विभाग के साथ शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि विद्यालयों में 14 वर्ष तक आयु की बालिकाओं का चिन्हांकन कर उनका टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही बालिकाओं के परिजनों को एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व एवं इसके स्वास्थ्य लाभों की संपूर्ण जानकारी दी जाए, ताकि किसी प्रकार की भ्रांति न रहे और अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूलों में काउंसलिंग सेशन आयोजित किए जाएं, जिनमें महिला अधिकारियों एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया कि ड्रॉप आउट बालिकाओं पर विशेष फोकस करते हुए उनका चिन्हांकन कर टीकाकरण कराया जाए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com